कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | मंगलवार 24 दिसम्बर 2024 | वर्ष– 7 | अंक– 1239 | पृष्ठ– 6 | RNI (TA)- 2022027633

कुल्टी क्षेत्र के भू-माफियो पर पुख्ता कार्यवाई की मांग, कांग्रेसियों ने किया बीएल एंड एलआरओ कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन

बीएल एंड एलआरओ कार्यालय में दलाल प्रथा बंद हो

*** भूमि अधिकारियो की मिलीभगत कर हुआ है जमीनों की अवैध खरीद-बिक्री: सुकांतो दास**

*** जमीनों पर अवैध कब्जा मामले में 15 लोगो को नोटिस किया गया है: बीएल एंड एलआरओ**

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (नियामतपुर): पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत सोमवार को नियामतपुर स्थित कुल्टी बीएल एंड एलआरओ का कांग्रेसियों ने घेराव कर धरना प्रदर्शन किया. इस दौरान कांग्रेसियों ने बीएल एंड एलआरओ कार्यालय के मुख्य द्वार को बंद कर वही बैठ गए और किसी को अन्दर और बाहर जाने नहीं दिया. उनका कहना था कि जबतक कुल्टी क्षेत्र के भू-माफियो पर पुख्ता कार्यवाई नहीं होती, तबतक हमलोग धरना प्रदर्शन जारी रखेगे.

मौके पर कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुकांतो दास के साथ नब कुमार बाउरी, सिराज खान, इम्तियाज खान, मोहम्मद शबिरुद्दीन, मोहम्मद सिराजुल समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे.

बता दे कि बीते 11 दिसम्बर को कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस द्वारा बीएल एंड एलआरओ कार्यालय को भू- माफियाओ के खिलाफ एक ज्ञापन दिया गया. जिसके माध्यम से कहा गया था, क्षेत्र में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्ज़ा, तालाबो की भराई खुलेआम की जा रही है, भू- माफियाओं द्वारा उक्त अवैध कब्ज़ा किये गए जमीनों और तालाबो की भराई कर बेच दिया जा रहा है, जिसपर कोई कार्यवाई भूमि विभाग द्वारा नहीं की जा रही है, भू-माफियाओं पर तत्काल कार्यवाई करते हुए उनके द्वारा कब्ज़ा किये गए जमीनों को अविलम्ब खाली करवाए. इसके एवज में बीएल एंड एलआरओ कार्यालय में उस दौरान उपस्थित रेवेन्यु अधिकारी सोमनाथ भौमिक ने एक सप्ताह का समय माँगा था और एक सप्ताह गुजर जाने के बाद आज पुन: कांग्रेसियों ने बीएल एंड एलआरओ पर धरना प्रदर्शन किया.

इस दौरान कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुकांतो दास ने कहा कि कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में अनेको तालाबो की भराई और सरकारी जमीनों पर कब्ज़ा कर बेच दिया गया है. कही बड़े-बड़े फ्लेट्स, तो कही मार्किट काम्प्लेक्स और कही निजी भवन बना दिए गए है. उन्होंने कहा कि इन सभी कुकृत्यो में बीएल एंड एलआरओ के अधिकारियो की मिलीभगत है, इनलोगों ने जमीन माफियाओं से सांठ-गाँठ कर वेस्टेड जमीनों को बेचकर बन्दर बाँट कर लिया है. चूँकि तालाब भरकर और सरकारी जमीनों का अवैध तरीके से रिकोर्ड हो जा रहा है और बीएल एंड एलआरओ साहेब मूकदर्शक बने हुए है.

उन्होंने कहा कि बीएल एंड एलआरओ कार्यालय के बगल में एक अग्निशमन विभाग का कार्यालय बनना था, जो तत्कालीन उपमेयर तबस्सुम आरा का प्रोजेक्ट था, लेकिन कोरोना के कारन वह प्रोजेक्ट रुक गया, अब देखा जा रहा है, जिस 17 कट्ठा जमीन पर दमकल विभाग का कार्यालय निर्माण होना था, वहां निजी भवन बन गए है. इसके आलावा सीतारामपुर के जोहरगढ़ में 14 बीघा सरकारी जमीन पर अवैध कब्ज़ा के मकसद से चारदीवारी कर दी गई है, जिसके जद में पीएचई का जलापूर्ति पाइप और शमशान की जमीन आ गई है. जहाँ आसनसोल नगरनिगम द्वारा अपना साइनबोर्ड लगाकर उक्त जमीन का सरकारी घोषित किया गया, लेकिन भू- माफियाओं ने उक्त बोर्ड को उखाड़ फेंका और अपने कब्जे में जमीन को ले लिया है. उन्होंने यह भी मांग की कि बीएल एंड एलआरओ कार्यालय में दलाल प्रथा बंद हो.

उन्होंने कहा कि इस तरह के अनेको जमीनों का पूरा ब्यौरा पिछले बार दिए गए ज्ञापन में दिया गया था, लेकिन अभी तक बीएल एंड एलआरओ द्वारा कोई कार्यवाई नहीं की गई है. उन्होंने कहा कि बीएल एंड एलआरओ साहेब यहाँ नौकरी करने आये है, वे चले जायेगे, लेकिन हमलोग कुल्टी के वासी है, और यहाँ हो रहे अवैध तरीके से जमीनों पर कब्ज़ा से हमलोगों को नुक्सान होगा, कुल्टी की आम जनता की हानि होगी, सरकार के राजस्व को नुक्सान होगा, क्योकि आवास योजना के तहत खाली पड़ी सरकारी जमीनों का उपयोग किया जा सकता है, लेकिन यदि जमीन ही नहीं रहेंगे तो सीधा-सीधा गरीबो को नुकसान होगा.

इस बाबत बीएल एंड एलआरओ सुशांत चक्रवर्ती ने कहा कि कांग्रेस द्वारा एक ज्ञापन दिया गया था, जिसपर हमलोगों ने जांच किया है, कुछ मामलों में नोटिस भी भेजी गई है. यदि आरोपी द्वारा समुचित कागजात नहीं पेश किया गया तो क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी.

उन्होंने कहा आरोपित स्थानों में से कुछ का मैंने खुद जाकर निरिक्षण किया है, जिसमे भांडरा मौजा के दाग संख्या 1344 संदिग्ध मिला है, जिसके एवज में 15 लोगो को नोटिस किया गया. यदि वे सटीक कागजात नहीं दिखाते है तो उनपर कानून के तहत कार्यवाई होगी.

बाबा साहेब पर अमित शाह द्वारा अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ रैली का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (पुरुलिया): संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ गृहमंत्री अमित शाह की अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ पुरुलिया ब्लॉक नंबर 2 में सोमवार को एक रैली का आयोजन किया गया। मौके पर तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जिला परिषद के उपाध्यक्ष सुजॉय बनर्जी सहित इस क्षेत्र के तृणमूल नेता उपस्थित थे।

जुलूस के अंत में उन्होंने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि आप सभी जानते हैं कि बीजेपी विपक्षी पार्टी है और इस पार्टी के जिम्मेदार नेता अमित शाह ने जिस तरह संविधान रचयिता बाबा साहब अंबेडकर के बारे में भद्दी टिप्पणी कर सभी वर्ग के लोगों को शर्मसार किया है, उसकी हम सभी निंदा करते हैं। और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देशानुसार हम अमित शाह की इस भद्दी टिप्पणी के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम सभी इस पार्टी का विरोध करेंगे और इस पार्टी को बंगाल से बाहर निकाल फेंकेंगे। इसलिए मैं सभी तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं से अनुरोध करूंगा कि वे हाथ मिलाएं और भाजपा को बंगाल से बाहर निकालें। कहा कि उन्हें लोगों के दिमाग से हमेशा के लिए निकाल देना चाहिए। इसलिए आज का आंदोलन पूरे राज्य के साथ-साथ पुरुलिया जिले और अन्य हिस्सों में भी है और हमें उम्मीद है कि यह आंदोलन लंबे समय तक चलेगा।

सेल आईएसपी सीएसआर के अंतर्गत त्रिवेणी मोड़ मैदान में सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (बर्नपुर): ईस्को इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएँ एवं सीएसआर) बिनोद कुमार द्वारा एवं विनीत रावल, सीजीएम (मैकेनिकल) सह अध्यक्ष सीएसआर उपसमिति (स्वास्थ्य, पेयजल, सैनिटेशन) की गरिमामयी उपस्थिति में सेल आईएसपी सीएसआर के अंतर्गत त्रिवेणी मोड़ मैदान, बर्नपुर में गैर सरकारी संस्था सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन के सहयोग से सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन किया गया|

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में बिनोद कुमार ने कहा कि त्रिवेणी मोड़ मैदान, बर्नपुर में कई दशकों से कई सामाजिक, खेल एवं शिक्षा आदि सम्बंधित कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है| सामुदायिक शौचालय की अनुपस्थिति में यहाँ महिलाओं एवं बच्चियों को काफी परेशानी होती थी|

इसी बात को ध्यान में रखते हुए सेल आईएसपी सीएसआर के अंतर्गत सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया गया|

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विनीत रावल ने आशा व्यक्त कि सीएसआर का यह एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास त्रिवेणी मोड़ मैदान, बर्नपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले हजारों महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं हाइजीन के संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगी|

दिनेश कुमार, वरीय प्रबंधक (सीएसआर) ने जानकारी दी कि सीएसआर विभाग विभाग इस तरह के चार और समुदीय शौचालय का निर्माण हदाम्दिः, धेमोमेन, धेनुआ और बर्नपुर डेली मार्किट में ग्रामीणों और बच्चियों गैर सरकारी संस्था सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन के सहयोग से किया जा रहा है जिसे 31 जनवरी 2025 तक पूर्ण होने की संभावना है|

इस कार्यक्रम में आई एस पी के अधिकारी राकेश रौशन, एजीएम (नगर सेवाएँ), सुमित मिश्रा, एजीएम (भूमि एवं रेवेन्यू), पवन कुमार सिंह, एजीएम (टी एस- सीएसआर), संजय कुमार, अनिरुध्ध गुहा आदि उपस्थित रहें|सु लभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस आर्गेनाइजेशन से धनञ्जय घोष, ललितेश्वर झा एवं बड़ी संख्या में आस पास के बच्चें एवं महिलाऐं उपस्थित थें|

उस्ताद जाकिर हुसैन की स्मृति सभा में संगीत चिकित्सा उपचार प्रणाली की घोषणा

बांग्लादेशी कलाकारों के बहिष्कार की मांग

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (कोलकाता): अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष और तालीम संगीत अकादमी के नेता डॉ. चंद्रचूड़ गोस्वामी की पहल पर उस्ताद जाकिर हुसैन की स्मृति सभा रवीन्द्रसदन रणुचाया मंच पर आयोजित की गई। तालीम अकादमी, सेलेस्टियल इनसाइट्स हीलिंग और हिंदू महासभा के सांस्कृतिक विभाग द्वारा आयोजित इस स्मरणोत्स सभा में कई प्रतिष्ठित संगीतकारों और हिंदू महासभा के सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. चंद्रचूड़ गोस्वामी ने कहा कि उस्ताद ज़ाकिर हुसैन ने अपने तबले से यह सिद्ध कर दिया है कि एक संगीतकार अपनी कलात्मकता के माध्यम से ईश्वर की निकटता प्राप्त कर सकता है। जन्मजात प्रतिभा और ईश्वर के आशीर्वाद के बिना जाकिर हुसैन जैसा कलाकार नहीं बन पाता, जिसने पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया। ज़ाकिर जी की मृत्यु भारतीय संगीत जगत के लिए एक वास्तविक पतन थी और परिणामस्वरूप संगीत उद्योग के लिए एक अपूरणीय क्षति थी। कई लोग किसी प्रतिष्ठित शख्सियत को कई तरह से याद करते हैं, लेकिन श्रद्धांजलि देने की हमारी भाषा बिल्कुल अलग होती है।

आज दुनिया में बहुत से लोग विभिन्न शारीरिक और मानसिक बीमारियों से प्रभावित हैं। लेकिन यदि लोगों को ठीक करने या उपचार करने के लिए ध्वनिकी और संगीत का उचित आवृत्ति पर उपयोग किया जाता है, तो इसे ध्वनि और संगीत चिकित्सा कहा जाता है।

सेलेस्टियल इनसाइट्स हीलिंग ऑर्गेनाइजेशन की निदेशक डॉ. चैतिशा पद्मलोचन चंद्रा ने कहा कि जाकिर जी को देखकर, तालीम अकादमी और सेलेस्टियल इनसाइट्स हीलिंग आने वाले दिनों में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को संगीत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कार्यक्रम में राखी चौधरी, डॉ. श्यामश्री सूर, वितस्ता चटर्जी और कई अन्य प्रसिद्ध संगीतकारों ने संगीत प्रस्तुत किया। हिंदू महासभा राज्य समिति की ओर से कार्यालय सचिव अनामिका मंडल, विनय अग्रवाल, सोहेल भट्टाचार्य, सम्राट रॉयचौधरी, सौरीश दास, सायंती भट्टाचार्य, अनिर्बान दत्ता और कई अन्य नेता उपस्थित थे। हालाँकि, बांग्लादेशी कलाकारों ने जाकिर हुसैन की स्मारक सेवा के बहिष्कार की मांग की।

हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चंद्रचूड़ गोस्वामी ने कहा कि कला में कभी भी जाति, धर्म, वर्ण आदि का विभाजन नहीं करना चाहिए, क्योंकि कलाकार की कोई जाति नहीं होती। लेकिन उसके बाद भी मैं यही कहूंगा कि देश का सम्मान और देशवासियों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है. हाल ही में बांग्लादेश में जिस तरह से अल्पसंख्यक हिंदुओं और उदारवादी मुसलमानों का नरसंहार किया जा रहा है, उसी तरह से हर दिन मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। इसके अलावा, बांग्लादेशियों ने भारत के राष्ट्रीय ध्वज को रौंदने का पाप किया है। इसलिए जब तक वे माफी नहीं मांगते और सुधार नहीं करते तब तक भारतीय धरती पर बांग्लादेशी कलाकारों का पूर्ण बहिष्कार किया जाना चाहिए। आज अगर हम उद्योग के लिए बांग्लादेश के पापों को छोटा करते हैं तो भारत के ध्वज और भारत माता के वीर जवानों के आत्म-बलिदान का अपमान होता है।

इसके अलावा, जिस तरह से पश्चिम बंगाल और भारत के विभिन्न राज्यों में इस्लामी कट्टरपंथी आतंकवादियों को पकड़ा जा रहा है, यह संभव है कि आतंकवादी भीड़ में शामिल हो जाएं और बांग्लादेशी कलाकार हमला करें, जिससे अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भारत का नाम खराब हो। चूंकि सर्दियों के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं, इसलिए हमने अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से पश्चिम बंगाल सरकार और भारत सरकार को लिखित रूप से चेतावनी देने का फैसला किया है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. चंद्रचूड़ गोस्वामी के नये गीत "देशता तोमार बापर नाकी" पर उपस्थित सभी लोगों के विरोध की भाषा रही।

बांग्लाभाषियों के राज्यस्तरीय सम्मेलन में सम्मिलित हुए मंत्री सतीश चन्द्र दुबे

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (पांडवेश्वर): बिहार के सिकटा विधानसभा के मैनाटांड धोकराहा कॉलोनी में राज्यस्तरीय बंग्लाभाषी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने उपस्थित होकर बंगला भाषियों के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक पहचान अखण्ड है, भाषा, कला आदि सभी सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा करना, सभी का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है,

हम दूसरे राज्य के हो सकते है लेकिन पहले हम सब भारतीय है और अपनी मिट्टी से प्यार करते है,

वर्षो से नहीं दशकों से रहने वाले हमारे बंगला भाषी लोगों के बीच आकर अपनापन महसूस हो रहा है, इस अवसर पर बांग्लाभाषियों की ओर से मंत्री महोदय अंग वस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर आत्मीय स्वागत किया गया.

स्वरूपानंद परमहंसदेव के पदार्पण दिवस पर अखंड महामिलन सेवाश्रम में दर्शनार्थियों की भीड़

शुवेंदु लायेक

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (बांकुड़ा): 7वां पौष है, परमाराध्य स्वरूपानंद परमहंसदेव का पदार्पण दिवस, बांकुड़ा जिले के गंगाजलघाटी ब्लॉक में कुस्थलिया अखंड महामिलन सेवाश्रम में भक्तों का तांता लगा हुआ है। यह विभिन्न भक्ति कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। इस दिन आश्रम में विभिन्न जिलों, विभिन्न राज्यों और यहां तक कि विदेशो से भी भक्त आते हैं। करीब एक लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने से पूरा क्षेत्र गुलजार हो गया।

बांग्ला 1375 ई. 7 पूष (अंग्रेज़ी 23 दिसंबर 1968) परमाराध्य श्री श्री स्वामी स्वरूपानंद परमहंसदेव ने बांकुड़ा जिले के गंगाजलघाटी ब्लॉक में कुस्थलिया अखंड मिलन सेवाश्रम में अपना शुभ पदार्पण किया। उन्हें बाबामणि के नाम से जाना जाता है। पिछले 55 वर्षों से 7वां पौष दिवस उचित गरिमा के साथ मनाया जाता रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी हरिओम नाम के जाप और सुबह की पूजा से होती है, इसके बाद पूरे दिन हरिओम नाम, बाबा मणि के दर्शन और विभिन्न भक्ति कार्यक्रम होते हैं। दोपहर के समय सभी के लिए प्रसाद भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

करीब 30 से 35 हजार लोग महाप्रसाद ग्रहण करते हैं. इस दिन स्थानीय लोगों के अलावा बाहर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। पूरे क्षेत्र में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर आश्रम परिसर के बाहर मेला लगता है। क्षेत्र के लोगों और आश्रम के भक्तों में इस दिन के प्रति बहुत उत्साह, रुचि और श्रद्धा होती है।

तृणमूल श्रमिक संगठन का विरोध मार्च, दुर्लभपुर में तृणमूल की विरोध सभा

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (बांकुड़ा): संविधान रचयिता डॉ. बीआर अंबेडकर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी से राष्ट्रीय राजनीति में हलचल मच गई है. तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने उनकी टिप्पणियों के लिए आलोचना की थी। तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी की घोषणा के मुताबिक आज हर जगह विरोध कार्यक्रम किया गया.

ऐसे में सोमवार को बांकुड़ा के दुर्लभपुर में तृणमूल श्रमिक संगठन आईएनटीटीयूसी के बांकुड़ा जिला अध्यक्ष रथिन बनर्जी के नेतृत्व में विरोध मार्च निकाला गया. जुलूस दुर्लभपुर श्रमिक भवन से शुरू हुआ और जुलूस ने पूरे इलाके की परिक्रमा की. श्रमिक संगठनों के आह्वान पर इस मार्च में तृणमूल श्रमिक संगठनों के कई नेतृत्व और अनगिनत श्रमिक समर्थक शामिल हुए.

इसी मुद्दे पर दोपहर में गंगाजलघाटी ब्लॉक 2 के तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष जितेन गराई के नेतृत्व में दुर्लभपुर चौराहे पर एक विरोध सभा आयोजित की गई।

केंद्र सरकार द्वारा कोलियरियो के निजीकरण से व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार का जन्म होगा

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (रानीगंज): सीएमएसआई (सीटू) की केंद्रीय कमेटी के आह्वान पर रेवेन्यू शेयरिंग और एमडीओ मॉडल के माध्यम से देश के तमाम खदानों को देशी विदेशी कार्पोरेट कंपनियों को लीज पर बेचने के खिलाफ विक्षोभ प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया था, उस निर्णय के मुताबिक आज ईसीएल के तमाम कोयला खदानों में विक्षोभ प्रदर्शन का आयोजन के साथ-साथ कुनुस्तोड़िया एरिया के बांसड़ा कोलियरी की सीट-पिट में विक्षोभ प्रदर्शन किया गया.

इस विक्षोभ सभा का सभापतित्व संजय मंडल ने किया और कुनुस्तुड़िया एरिया सीएमएसआई सीटू के संयोजक कलीमुद्दीन अंसारी ने वक्तव्य रखा वक्तव्य में कहा गया कि भारत सरकार देश की तमाम कोयला खदानों को एमडीओ मॉडल और रेवेन्यू शेयरिंग के नाम पर निजीकरण कर देशी विदेशी कॉरपोरेट कंपनियों को बेच रही है, जिससे व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार का जन्म होगा.

सरकार द्वारा जन्म दी गई राष्ट्रीयकृत कोयला खदानों राष्ट्रीय सम्पत्ति कोयले का लुट होगा वहीं दुसरी तरफ मजदूरों का व्यापक पैमाने पर शोषण होगा, एमडीओ मॉडल और रेवेन्यू शेयरिंग की खदानों में जो मजदूर काम करेंगे वह दोबारा गुलामी की जंजीरों में जकड़ जाएगा, काम के घंटे का कोई ठिकाना नहीं रहेगी, ब्रिटिश से संघर्ष कर जिन श्रम कानूनों को हासिल किया था, उन तमाम अधिकारों को छीनने का काम हमारे ही चुनी हुई, अपनी सरकार करवा रही है।

वहीं दूसरी तरफ देश की आर्थिक विषमता बढ़ेगी, राष्ट्रीय सम्पत्ती राष्ट्रीय कोष का होना चाहिए किन्तु राष्ट्रीय सम्पत्तियों का अर्थ कार्पोरेटों के पास केंद्रस्थ होगी अथवा राष्ट्रवाद का नारा राष्ट्रीय सम्पत्तियों का लुट यह दोहरा चरित्र नहीं चलने दिया जा सकता है और ईसीएल में यह तमाम कार्यकलाप केंद्र सरकार और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार की मिलीभगत से हो रही है रही है जिसको रोकने का अधिकार कोयला मजदूरों का जिसको आज की विक्षोभ प्रदर्शन के से मजदुर कर रहे हैं, जिसका नेतृत्व लाल झंडे की युनियन सीएमएसआई सीटू दे रही है और तब तक देगी जब तक एमडीऔ माडल और रेवेन्यू शेयरिंग के निर्णय बाज नहीं आती है। इस सभा में हीरेन मंडल, मैनाक मंडल, उज्जवल मुखर्जी, स्वपन कोड़ा सहित अनेक मजदुर उपस्थित थे।

नॉर्थ प्वाइंट स्कूल का 25वां वार्षिक कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (आसनसोल): एसबी गोराई रोड स्थित पार्वती मैरिज हॉल में नॉर्थ प्वाइंट स्कूल का 25वां वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के नर्सरी से लेकर कक्षा 2 तक के बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए, जिनका उपस्थित सभी ने आनंद उठाया। इस मौके पर पार्वती ग्रुप ऑफ़ एजूकेशन के संस्थापक सचिन राय, स्कूल के प्रिंसिपल मीता राय, गौरव राय सहित स्कूल के अन्य शिक्षक और कर्मचारी तथा विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित थे। मौके पर बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। इस मौके पर सचिन राय, मीता राय और गौरव राय ने कहा के नॉर्थ प्वाइंट स्कूल प्रबंधन से जुड़ा हर व्यक्ति यह चाहता है कि उनके स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो। उनकी पढ़ाई के साथ-साथ उनके अंदर छिपी प्रतिभा को भी विकसित किया जाए और इसी कोशिश में इस तरह के कार्यक्रम किए जाते हैं।

माकपा के पूर्व आसनसोल संसद की स्मृति संरक्षित करने के लिए बैठक का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (जामुड़िया): माकपा के पूर्व आसनसोल संसद की स्मृति संरक्षित करने के लिए जामुड़िया के बागसिमुलिया में बैठक कर एक समिति का गठन किया गया।

इस विषय में जानकारी देते हुए माकपा नेता मनोज दत्ता ने कहा कि दिवंगत जननेता विकास चौधरी जामुड़िया के संस्थापक थे।

उन्होंने शोषित और पीड़ित वंचित लोगों को वैसे ही जीना सिखाया जैसे उन्हें जीना चाहिए। उन्होंने कोयला खनिकों के संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाई तथा उनके नेतृत्व में इस क्षेत्र में कोयला खनिकों के आंदोलन को एक नया आयाम मिला। उनका जीवन बहुत सरल था तथा लंबे समय तक सांसद और विधायक रहने के बाद भी उन पर कोई किसी प्रकार का लांछन नहीं लगा सका।

वही ऐसे जननायक कामरेड विकास चौधरी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन को आम लोगों के बीच फैलाने के लिए परिहारपुर क्षेत्र के बागसिमुलिया में दिवंगत जननायक कामरेड बिकास चौधरी की स्मृति को संरक्षित करने के लिए एक समिति का गठन किया गया।

बैठक के दौरान माकपा के पूर्व आसनसोल सांसद बंगसागोपाल चौधरी को समिति का मुख्य सलाहकार बनाया गया। वही सलाहकार परिषद के अन्य सदस्य में माकपा की पूर्व जामुड़िया विधायक जहांआरा खान, सीटू नेता कलीमुद्दीन अंसारी, माकपा नेता हेमंत सरकार, माकपा नेता मनोज दत्ता, माकपा नेता तापस कवि, बैसी मड़ी शामिल हैं।

वही समिति का सचिव माकपा नेता अब्दुल कय्यूम तथा कोषाध्यक्ष सुमित कवि सहित विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 44 सदस्यों को इस समिति का सदस्य बनाया गया है।

बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि परिहारपुर के बागसिमुलिया में जननेता विकास चौधरी के नाम पर अधूरे स्मारक भवन का काम जल्द शुरू कर पूरा किया जायेगा।इस दौरान विकास चौधरी स्मारक संरक्षण समिति द्वारा क्षेत्र के सभी प्रशंसकों से इस स्मारक के निर्माण में सहयोग देने की अपील की गई है।

जामुडिया में भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने चलाया सदस्यता अभियान

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (पांडवेश्वर): भाजपा की ओर से सदस्यता अभियान जोर शोर से चलाया जा रहा है, भाजपा नेता और कर्मी भाजपा की सदस्यता बनाने के लिए लोगो से संपर्क करने के साथ भाजपा के नीतियों से लोगो को अवगत कराते हुए भाजपा का सदस्य बना रहे है, इसी क्रम में जामुड़ीया विधानसभा क्षेत्र के शिवडांगा में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता बनाने का विशेष अभियान भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमे बहुत से लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया, इस अवसर पर भाजपा नेता ने कहा की भाजपा से लोग अपने स्वेच्छा से जुड़ रहे है और भाजपा के पक्ष में आ रहे है, उन्होंने कहा की भाजपा ही अब एकमात्र लोगों की पसंद पार्टी बनती जा रही है, इस अवसर पर भाजपा के स्थानीय नेता और कर्मी उपस्थित थे,

मंत्री अमित शाह के खिलाफ टीएमसी द्वारा नियामतपुर में जुलुस निकाला गया

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (नियामतपुर): कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस की ओर से सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नियामतपुर में जुलुस निकाला गया. इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. बीआर अम्बेडकर के शान में अपशब्द कहा है, जो पुरे देश का अपमान है. अमित शाह को अपने अपशब्द के बदले माफ़ी मांगकर अपने पद का त्याग करना होगा, नहीं तो तृणमूल कांग्रेस का आन्दोलन जारी रहेगा.

जुलुस में पूर्व विधायक उज्जवल चटर्जी, पार्षद जाकिर हुसैन, पूर्व पार्षद नेपाल चौधरी, महिला नेत्री माला माजी, मौमित सेनगुप्ता समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए.

ज्ञात हो कि विगत दिनों संसद भवन में अपनी वार्ता के दौरान देश के गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब को संबोधित करते हुए कहा था कि जितना आंबेडकर-आंबेडकर का जाप करते है उतना भगवान का जाप करते तो स्वर्ग मिल जाता.

अमित शाह के इस कथनी का कड़ा विरोध करते हुए तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने राज्यव्यापी आन्दोलन का आह्वान किया था. जिसके एवज में सोमवार को राज्यभर में तृणमूल कांग्रेस द्वारा जुलुस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया.

संविधान रचयिता बाबा साहेब के अपमान के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस द्वारा धिक्कार रैली का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (जामुड़िया): जामुड़िया ब्लॉक दो तृणमूल कांग्रेस की ओर से सोमवार शाम को भारत के संविधान रचैता बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव आंबेडकर के अपमान के खिलाफ धिक्कार रैली का आयोजन किया गया। जुलूस न्यू केंदा मोड़ से शुरू हुआ जो खास केंदा तृणमूल कांग्रेस पार्टी कार्यालय के पास पहुंच सम्पन्न हुआ।

धिक्कार जुलूस का नेतृत्व जामुड़िया विधानसभा के विधायक हरेराम सिंह, जामुड़िया ब्लॉक दो तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष सिद्धार्थ राणा, तृणमूल कांग्रेस नेता असित मंडल, युवा तृणमूल कांग्रेस नेता उदीप सिंह, महिला नेत्री लतीफा काजी, पूनम झा आदि प्रमुख द्वारा किया गया।

धिक्कार जुलूस के पश्चात सभा को संबोधित करते हुए जामुड़िया विधायक हरेराम सिंह ने कहा कि भाजपा नेता सह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करना पूरे देश का अपमान है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के अपमान को भारतवर्ष कभी भी सहन नहीं कर सकता जिसके कारण पूरे देश में भाजपा नेता अमित शाह का विरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देशानुसार पूरे राज्य सहित जामुड़िया विधानसभा क्षेत्र में शाम तीन बजे से पांच बजे तक विरोध प्रदर्शन किया गया। धिक्कार जुलूस तथा सभा के दौरान भारी संख्या में तृणमूल कांग्रेस के समर्थक एव कार्यकर्ता मौजूद थे।

संविधान निर्माता के बारे में अपशब्द बोलने को लेकर अमित शाह के खिलाफ टीएमसी का निंदा जुलूस

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (पांडवेश्वर): बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बारे में लोकसभा में गृहमंत्री के बयान को लेकर तृणमूल कांग्रेस की ओर से पांडवेश्वर ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष किरीट मुखर्जी के नेतृत्व में निंदा जुलूस निकाला गया, इस अवसर पर भारी संख्या में महिला पुरुष तृणमूल कांग्रेस कर्मियों ने बैनर और मोदी, अमित शाह का पुतला लेकर नारेबाजी करते हुए पांडवेश्वर स्टेशन से फूलबागान मोड तक संविधान निर्माता के बारे में अपशब्द बोलने वाले अमित शाह और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निंदा जुलूस निकाला गया और शाह और मोदी का पुतला फूंका गया, इस अवसर पर पांडवेश्वर ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस नेता गोपीनाथ नाग, एमडी लोकमान अंसारी, रोबिन पाल, मधु घोष, जमुना धीवर, समेत अन्य नेता मौजूद थे.

इनमोसा का प्रबंधन से सकारात्मक वार्ता के बाद धरना टला

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (बराकर): इनमोसा श्रमिक संगठन इनमोसा परिवार की ओर से सोमवार को श्रमिकों के सात सूत्री मांगो को लेकर एक विशाल समावेश तैयार कर विरोध जुलुश के साथ सकतोड़िया ईसीएल मुख्यालय पर धरना दिया गया,

मालूम हो कि इनमोसा की ओर श्रमिकों के सात सूत्री मांगो को लेकर दो दिवसीय 23 ओर 24 दिसंबर को धरना प्रदर्शन की घोषणा की थी, जिसके अनुरूप सोमवार को श्रमिकों ने बड़ी संख्या में हाथों में तख्तिया लेकर ईसीएल मुख्यालय पर धरना कार्यक्रम में शामिल हुवे, जहा इनमोसा की ओर से मैनेजमेंट के सामने अपनी मांगे रखी, प्रबंधन की ओर से बताया गया कि ये मामला कॉल इंडिया का विषय है, इस लिए आप लोग कुछ दिन का समय दे, स्ट्राइक को यही विश्राम दे, जिसके बाद हमलोग आपसे द्विपक्षीय वार्ता कर इसे आगे बढ़ाने का कार्य करे, इस दौरान इनमोसा के राष्ट्रीय महासचिव पी के मिश्रा ने इस आंदोलन में शामिल मुग्मा एरिया, शोध पुर एरिया, श्रमिक संगठन सहित स्थानीय कुल्टी प्रशासन को सहयोगिता के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया।

कोयला खदान श्रमिक कांग्रेस द्वारा कुनुस्तोड़िया कोलियरी में लिट्टी चोखा कार्यक्रम का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (जामुड़िया): जामुड़िया विधानसभा इलाके के तपसी ग्राम पंचायत अंतर्गत कुनुस्तोड़िया कोलियरी में कोयला खदान श्रमिक कांग्रेस (केकेएससी) पार्टी कार्यलय में लिट्टी चोखा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कोयला खदान श्रमिक कांग्रेस के कुनुस्तोड़िता कोलियरी इकाई के सचिव संजय चौधरी के नेतृत्व में यह आयोजन हुआ। जिसमे इलाके के लोगों सहित तृणमूल कांग्रेस और कोयला खदान श्रमिक के सैकड़ो सदस्य एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित हुए।

वहीं इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के तौर पर जामुड़िया के विधायक सह कोयला खदान श्रमिक कांग्रेस (केकेएससी) के महामंत्री हरेराम सिंह उपस्थित थे। इस मौके पर विधायक हरेराम सिंह ने कहां कि यह कार्यक्रम इलाके के लोगों को एक साथ जोड़कर आपसी भाईचारगी को बढ़ावा देने के उपदेश के लिये किया जा रहा है, साथ मे यह कोसिस की जा रही है की इस कार्यक्रम के जरिये और भी अधिक से अधिक लोग जुड़े जिससे इलाके के एकता के मिसाल का संदेश दूर -दूर तक जाए।

वही इस लिट्टी चोखा कार्यक्रम के आयोजनकर्ता संजय चौधरी ने बताया आज कोयला खदान श्रमिक कांग्रेस (केकेएससी) की ओर कुनुस्तोड़िता कोलियरी पार्टी कार्यलय में हर साल की तरह इस साल भी लिट्टी चोखा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमे हमारे कुनुस्तोड़िया कोलियरी कोयला खदान श्रमिक संगठन के सभी पदाधिकारी, सदस्य और कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

इस मौके पर बलेसर मण्डल, संतोष माझी, प्रमोद कहार, मनोज मण्डल, सिशिर मण्डल, ईद मोहम्मद, खालिद अंसारी, प्रबीर घोष, विजय चक्रबती, परवेज खान समेत अन्य मौजूद थे.

यह बाबा साहेब का अपमान नहीं है, पूरे देश का अपमान

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (सलानपुर): संसद में खड़े होकर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बारे में गृह मंत्री अमित शाह की असंवैधानिक, अपमानजनक, भद्दी टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए सालानपुर ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस की ओर से अल्लाडी मोड़ पर एक विरोध सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला परिषद प्रमुख मोहम्मद अरमान, जिला परिषद सदस्य बेबी मंडल सहित सलानपुर ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस के उपाध्यक्ष भोला सिंह, सलानपुर पंचायत समिति के अध्यक्ष कैलाशपति मंडल, उपाध्यक्ष बिद्युत मिश्रा, सलानपुर ब्लॉक श्रमिक संघ के अध्यक्ष मनोज तिवारी, युवा संघ के अध्यक्ष सचिन नाग उपस्थित थे। कई दूसरे। इस दिन जिला परिषद प्रमुख मोहम्मद अरमान ने कहा कि गृह मंत्री अमित साहा ने संसद में खड़े होकर संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर का अपमान किया. यह उनका अपमान नहीं है, यह पूरे देश का अपमान है, इसलिए हम यह आंदोलन तब तक जारी रखेंगे जब तक गृह मंत्री अमित साहा देश की जनता से माफी नहीं मांग लेते.

आज का राशिफल

24 दिसम्बर 2024
मंगलवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष

दिन उत्तम रहेगा। सामाजिक मान सम्मान में वृद्धि होगी। लोग आप से आकर्षित रहेंगे। राजनीति में कोई बढ़िया मौका मिल सकता है। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। अर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृषभ

दिन बढ़िया रहेगा। जिम्मेदारी से कार्य को सम्पन्न करे। परिवार में अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। पुराना लेनदेन समस्या लेकर आ सकता है। नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। परिजन से सहयोग प्राप्त होगी।

मिथुन

दिन अच्छा रहेगा। आवश्यक कार्य पूरे होंगे। कामकाज की गति तेज रहेगी। विपक्षी से सावधान रहना होगा। अपने काम के लिए एक बजट बना कर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। बिजनेस में आपको अच्छा लाभ मिलेगा।

कर्क

दिन अच्छा रहेगा। पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में खुशखबरी मिलेगी। सहकर्मी आपसे किसी बात को लेकर उलझ सकते हैं। उत्साह पूर्वक काम में आगे बढ़ेंगे, तो सफलता अवश्य मिलेगी। उधार लेने से बचे। सेहत का ध्यान रखे।

सिंह

दिन मिलाजुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में योग्यता अनुसार काम मिलेगा। नौकरी में शुभ सूचना मिल सकती है। अपने रोजमर्रा के कामों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। बाहरी व्यक्ति से सलाह मशवरा ना करें। स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा।

कन्या

दिन उत्तम रहेगा। भाग्य के दृष्टिकोण से मजबूती आएगी। धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। बिजनेस में मन मुताबिक लाभ मिलेगा। संबंधियों के साथ आपको तालमेल बनाकर रखना होगा। स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

तुला

दिन सामान्य रहेगा। काम के लिए कोई एक लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ें। ठग लोगों से सावधान रहना होगा। शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय ना ले। कारोबारिक पार्टनर पर पूरी निगरानी रखें। परिवार में खुशियाँ रहेगी।

वृश्चिक

दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहेगा। संतान के करियर को लेकर चिंता समाप्त होगी। कोई नई संपत्ति की प्राप्ति होगी। काम समय रहते पूरा होगा। किसी काम में लापरवाही बिल्कुल ना करें। ननिहाल पक्ष से सम्मान मिलेगा।

धनु

दिन मिलाजुला रहेगा। स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है। लेन-देन के मामले में सावधानी बरतनी होगी। कला व कौशल के क्षेत्र में कामयाब रहेंगे। लंबे समय से लटका हुआ काम पूरा हो सकता है। पनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा।

मकर

दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आय और व्यय में तालमेल बनाकर रखे। बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए कुछ योजनाएं बनानी होंगी। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ

दिन सामान्य रहेगा। बिजनेस के मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा लें। टीमवर्क के जरिए काम करके आपको लाभ मिलेगा। आपके अंदर प्रेम व सहयोग की भावना बनी रहेगी। जिद व बहसबाजी करने से बचना होगा।

मीन

दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में तरक्की मिलेगी। आलस्य को त्याग कर आगे बढ़ेंगे। लोगो से मेलजोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई शुभ सूचना मिल सकती है। वाणी की मधुरता को बनाए रखे।

पुलिस संसद परिसर में किसी भी घटना के लिए सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकती- एके झा

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): राष्ट्रीय खान मजदूर फेडरेशन के वरीय उपाध्यक्ष एके झा ने अपने एक प्रेस वक्तव्य में कहा कि संसद में सत्र के अंतिम दिन जो कुछ भी घटना घटी है वह दुखद है।

श्री झा ने कहा संसदीय परंपरा के अनुसार प्रतिपक्ष के नेता का सम्मान, उनके विचारों का सम्मान, उनके विश्वास का समर्थन पाने एवं संसद चलाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी संसदीय कार्य मंत्री और संसद के स्पीकर निभाते रहे हैं। यही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था रही है। संसद परिसर और संसद में अपनी आवाज उठाने जन समस्या पर सरकार का ध्यान खींचने के लिए शांतिपूर्ण विरोध और प्रदर्शन करने का अधिकार विपक्ष के पास होता है। आजादी के बाद इस अमृत काल में सत्ता पक्ष के लोगों को डंडे में झंडा लेकर विपक्षी दलों के नेता के खिलाफ नारेबाजी करने का यह पहली घटना है। इस घटना ने देश को झकझोर दिया है।

संवैधानिक व्यवस्था के तहत लोकसभा का कस्टोडियन स्पीकर और महामहिम राष्ट्रपति होते हैं। किसी भी सांसद को देश के अंदर किसी भी घटना के लिए पूछताछ करने या गिरफ्तार करने के पहले स्पीकर से परमिशन लेना पड़ता है। संसद परिसर में किसी भी घटना के लिए पुलिस सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकती है लेकिन यह कितना दुखद और शर्मिंदगी की बात है कि सत्ता पक्ष के मंत्री विपक्ष के लोगों की आवाज को दबाने के लिए तथाकथित चोट लगने की घटना पर थाना में जाकर प्रतिपक्ष के नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हैं। इस घटना ने भारतीय लोकतंत्र को शर्मिंदा कर दिया है। एक तरफ सत्ता पक्ष द्वारा किसी पूंजीपति के भ्रष्टाचार के अपराध की घटना पर बहस को रोका गया संभल की घटना पर बहस रोका गया, महंगाई, बेरोजगारी भुखमरी, किसान आंदोलन, अर्थव्यवस्था की गिरती हालात पर चर्चा को रोकने का काम किया गया। वहीं वन नेशन वन इलेक्शन के नाम पर संविधान संशोधन विधेयक पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने बाबा साहब अंबेडकर के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी करके देश के जनमानस को पूरी तरह से दुखी कर दिया है। अब तक तो नेहरू जी और महात्मा गांधी जी की आलोचना सत्ता पक्ष के द्वारा संसद में हुई है अब संविधान निर्माता अंबेडकर जी को भी नहीं बक्शा गया।

श्री झा ने कहा कि प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सत्य और अहिंसा के मार्ग पर महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर चलने के लिए दृढ़ संकल्पित है । उनके चरित्र संस्कार को पूरे भारतवर्ष ने भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा के दरमियान देखा है।

यहां यह स्मरणीय है कि 1960 के दशक में तत्कालीन जनसंघ के नेता अटल जी ने गौ रक्षा के नाम पर गाय लेकर संसद भवन के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया था उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने उनके खिलाफ कोई एफआईआर नहीं किया। उन्हे विनम्रतापूर्वक समझा बूझाकर कार्यक्रम को बंद कराया। लोकतंत्र के मंदिर संसद की गरिमा और विपक्ष के नेता के सम्मान को अपने विनम्र स्वभाव से पंडित नेहरू ने मर्यादा का पालन करते हुए भारत के लोकतांत्रिक सोच के झंडे को ऊंचा किया लेकिन आज बीजेपी जो सत्ता पक्ष में है उसके शब्दकोश में माफी शब्द है ही नहीं। चाहे मामला किसानों पर बर्बर लाठी चलाने का हो, मजदूर की आवाज दबाने का हो, किसानो पर गाड़ी चलाने की बात हो, चाहे आदिवासियों पर पेशाब करने का मामला हो, अल्पसंख्यकों को आतंकित करने का मामला हो, महिला अत्याचार का मामला हो या अंबेडकर जी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी को अपमान का मामला हो सत्ता पक्ष माफी मांगने से सीधे इनकार करते रही है । सत्ता पक्ष का यह सोच लोकतंत्र और संविधान की हत्या के समान है। सत्ता पक्ष वन नेशन वन इलेक्शन के नाम पर वन नेशन वन पार्टी के संविधानिक व्यवस्था करना चाहती है ताकि संविधान के मूल स्वरूप को बदला जा सके।

फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार जय मंगल (अनूप सिंह) विधायक ने फेडरेशन और इंटक के तमाम साथियों से अपील किया कि जननायक एवं प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ सत्ता पक्ष द्वारा दर्ज के झूठे मुकदमे के खिलाफ पूरे देश में शांतिपूर्ण विरोध करें और अपना संपूर्ण समर्थन प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी जी के पक्ष में करवा अपनी आवाज बुलंद करें।

निरसा को नहीं बनने देंगे बंगलादेश, बोरिया बिस्तर समेटकर भागना पड़ेगा- ढुल्लु

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): सोमवार को सांसद ढुल्लू महतो ने सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया, मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा संसद में किए गए व्यवहार की निंदा की, गृहमंत्री अमित शाह के ऊपर कांग्रेस के द्वारा किए जा रहे विरोध पर जमकर हमला बोला, यही नहीं निरसा के गोपीनाथडीह में माले और भाजपा समर्थकों के बीच हुई भिड़ंत को लेकर विधायक अरूप चटर्जी पर जमकर बरसे,

ढुल्लू महतो ने कहा कि राहुल गांधी मुझे खुद धकेल कर आगे बढ़े हैं, राहुल गांधी के व्यवहार की मैं घोर निंदा करता हूं. भारतीय जनता पार्टी की शुरू से विचारधारा गरीब, दलित, शोषित, पीड़ित और आदिवासियों के साथ रही है, सम्मानपूर्वक हमने हर कार्य को करने का काम किया, आज कांग्रेस के द्वारा देश के गृहमंत्री अमित शाह को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है, यह कभी भी नहीं होने वाला है, झूठ की बुनियाद पर इन लोगों ने चुनाव लड़ा है, इसका जवाब आने वाले समय में जरूर मिलेगा, चुनाव में गलत तरीके से उनके द्वारा वोट लिया गया,

मीडिया से बात करते हुए सांसद ढुल्लू महतो ने पिछले दिनों निरसा के गोपीनाथडीह में माले और भाजपा समर्थकों के बीच हुई भिड़ंत पर सांसद विधायक अरूप चटर्जी पर जमकर बरसे, उन्होंने कहा कि बंगाल में जो स्थिति है, वह यहां बनाना चाह रहे हैं, चुनाव जीतने के बाद निरसा में गोली और बम चलने लगा, इसकी जांच होनी चाहिए, पुलिस केस कभी एकतरफा नहीं होता है, गांव वालों पर एक तरफा केस किया गया है।

उन्होंने कहा कि गोपीनाथडीह में एक भी आदमी इसके साथ नहीं है, गुंडों को लाकर दो से तीन कोलियरी का काम बंद कर रखा है, मुकदमा इनके खिलाफ होना चाहिए, वह बंगलादेश बनाना चाह रहे हैं, वैसा यहां नहीं होने देंगे, बोरिया बिस्तर लेकर विधायक को यहां से भागना पड़ेगा, गुंडागर्दी नहीं छोड़ा तो भागना होगा।

ढुल्लू महतो ने कहा कि विधायक अरूप चटर्जी के पिता के समय से कितने फैक्ट्री और प्लांट बंद हो गए हैं, अरूप चटर्जी पुलिस को मोहरा बनाकर काम कर रहे हैं, दो-दो बार गांव के लोगों ने मारकर भगाया है, जब सरकार बनी तो मोहरा बनाकर वहां काम कर रहे हैं. पुलिस को कोई लाल पार्टी नौकरी नहीं दिया है, पुलिस ने अपनी काबिलियत पर नौकरी ली है, पुलिस को चाहिए कि निष्पक्ष होकर अपना काम करें।

उन्होंने कहा कि हिम्मत है तो मीडिया के सामने वह भी बैठे और मैं भी बैठता हूं, तीन-तीन जगह कोलियरी को बंद कर रखा है, अभी तक मुकदमा नहीं हुआ है, राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान हो रहा है। वहीं बंगाली समुदाय द्वारा विरोध किए जाने पर उन्होंने कहा कि बंगाली समुदाय किसके साथ है आने वाले दिन में पता चलेगा।

इंसानियत और सेवा की मिसाल पेश कर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने दिखाया बड़ा दिल

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय नेता और झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एक बार फिर अपनी दरियादिली और जनसेवा का परिचय दिया।भाजपा ने डॉ. इरफान अंसारी के खिलाफ कई षड्यंत्र रचे, उन्हें बदनाम करने की कोशिशें कीं, और यहां तक कि उन्हें बांग्लादेशी घुसपैठिया तक कहा।

इसके बावजूद, डॉ. अंसारी ने मजबूती से हर चुनौती का सामना किया और लगातार तीसरी बार जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र की जनता का दिल जीतकर अपनी लोकप्रियता को साबित किया।

इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए, आज उन्होंने एक ऐसा कदम उठाया जिसने सभी को उनका कायल बना दिया। जामताड़ा जिले के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सोमनाथ सिंह के बेटे शुभम सिंह का सड़क दुर्घटना में गंभीर चोट लगने के बाद स्थिति नाजुक हो गई। शुभम को ब्रेन सर्जरी की जरूरत थी। जैसे ही मंत्री डॉ. अंसारी को इस घटना की जानकारी मिली, वे तुरंत धनबाद के असर्फी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने शुभम सिंह के परिजनों को आश्वस्त किया कि आप बिल्कुल चिंता न करें। मैं यहां हूं, आपकी मदद के लिए। आपके बेटे के इलाज में एक पैसा भी खर्च नहीं होगा। उसकी जान बचाने के लिए जो भी संभव होगा, वह किया जाएगा। डॉ. अंसारी ने अस्पताल की पूरी मेडिकल टीम को शुभम का इलाज करने के लिए तत्परता से निर्देश दिया और किसी भी स्थिति में बच्चे की जान बचाने की पूरी कोशिश करने का आदेश दिया। यह घटना उन आलोचकों को भी सोचने पर मजबूर कर रही है जो डॉ• इरफान अंसारी के खिलाफ बेवजह गाली-गलौज और नकारात्मक प्रचार करते हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं में भी चर्चा है कि डॉ• अंसारी जैसे व्यक्ति वाकई मसीहा हैं, जो बिना किसी भेदभाव के हर किसी की मदद के लिए तत्पर रहते हैं। डॉ. इरफान अंसारी ने अपनी सेवा और समर्पण से यह साबित कर दिया है कि राजनीति से ऊपर उठकर मानवता और जनसेवा ही उनका असली धर्म है। मुलाकात के दौरान समाजसेवी उदय प्रताप सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

सांसद ढुलू महतो के विरोध में झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति ने की बैठक

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति के द्वारा ऐल सी रोड हीरापुर में एक बैठक जिला अध्यक्ष सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में किया गया।

जिला अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के द्वारा निरसा के विधायक अरूप चटर्जी के खिलाफ असवैधानिक भाषा का प्रयोग किया गया, एक सभा को संबोधित करते हुए सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि वर्तमान विधायक बांग्लादेशी है,

साथी साथ अरूप चटर्जी के पिता पूर्व विधायक स्वर्गीय गुरदास चटर्जी के विषय में भी उन्होंने अपशब्द कहा, पूरा झारखंड जानता है की गुरदास चटर्जी का हत्या माफियाओं ने किया, स्वर्गीय गुरदास चटर्जी एक सम्मानित व्यक्ति थे,

जिसे पूरा झारखंड जानता हे, इसका झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति कड़ी शब्द में निंदा करता है, चौधरी ने आगे कहा कि ढुल्लू महतो के बयान से पूरा धनबाद जिला के बांग्ला भाषी का अपमान हुआ है, बांग्ला भाषी कभी इसे माफ नहीं करेगा, क्या माननीय सांसद महोदय को बांग्ला भाषी से कोई लेना देना नहीं है, झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति से माननीय सांसद महोदय ढुल्लू महतो जी माफी मांगे ,

अन्नाथा झारखंड का समस्त बांग्ला भाषी सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगा। बैठक में मुख्य रूप से जिला सचिव राणा चट्टराज, कल्याण भट्टाचार्य, सुशोभन चक्रवर्ती, कल्याण राय, राजू प्रमाणिक, अमिताभ बैनर्जी, सुरजीत चंद्रा, कल्याण घोषाल, जयदीप बनर्जी, टनी बनर्जी, बादल सरकार, गौरांग मंडल, पिंटू चटर्जी, रोथीन सरकार, आदि लोग शामिल थे।

जेपी हॉस्पिटल ने व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए आईआईटी (आईएसएम) धनबाद से साझेदारी की

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद (आईआईटी-आईएसएम) ने अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उन्नत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए मेंझीलाडीह, कोला कुसमा बलियापुर रोड स्थित जे पी हॉस्पिटल और अनुसंधान केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) में प्रवेश किया है। कार्मिक, और उनके आश्रित।साझेदारी यह सुनिश्चित करती है कि लाभार्थियों को जेपी अस्पताल में उपलब्ध सभी विभागों और केंद्रों में उपचार मिले। सेवाओं का दायरा पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल परीक्षाओं और चिकित्सा उपचारों सहित नैदानिक परीक्षणों तक फैला हुआ है।

एमओए की मुख्य विशेषताए- उपचार कवरेज: कर्मचारियों, पूर्व कर्मचारियों और उनके आश्रितों को इनडोर और आउटडोर दोनों तरह के रोगी उपचार तक पहुंच प्राप्त होगी। व्यापक नैदानिक सेवाएं (पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल) भी कवर की जाएंगी।

लागत संरचना: आंतरिक रोगी विभाग (आईपीडी) और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाओं के तहत उपचार के शुल्क, समय-समय पर संशोधन के अधीन, प्रचलित केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) और एनएबीएच दरों का पालन करेंगे।नैदानिक जांच सीजीएचएस गैर-एनएबीएच दरों का पालन करेगी, जैसा कि समय-समय पर अद्यतन किया जाता है।

कैशलेस/ क्रेडिट आधार: लाभार्थी कैशलेस या क्रेडिट आधार पर चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे, जिससे वित्तीय देरी के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होगी। यह सहयोग अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी करके अपने समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने की आईआईटी (आईएसएम) की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।जेपी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, एक प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्थान, गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करते हुए इस साझेदारी में अपनी विशेषज्ञता और उन्नत सुविधाएं लाता है।

यह समझौता हमारे कर्मचारियों और उनके परिवारों को शीर्ष स्तर की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के प्रति आईआईटी (आईएसएम) के समर्पण को रेखांकित करता है। हमें विश्वास है कि जेपी हॉस्पिटल के साथ यह साझेदारी स्वास्थ्य सेवा वितरण में एक मानक स्थापित करेगी।यह सहयोग आईआईटी (आईएसएम) में एक स्वस्थ समुदाय को बढ़ावा देने और भविष्य की साझेदारी के लिए एक मिसाल कायम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बीसीसीएल कर्मियों को बंधक बनाकर पांच लाख की कॉपर क्वाइल की लुट, क्षेत्र में जलापूर्ति ठप्प

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): बस्तकोला क्षेत्र संख्या 9 के दोबारी कोलियरी अंतर्गत सहाना पहाड़ी स्थित सब स्टेशन बिजली घर में बीती रात्रि केबल चोरों द्वारा अपना निशाना बनाते हुए लगभग पांच लाख की क्वाइल आर्मेचर लेकर चलते बने। जिससे सहाना पहाड़ी स्थित रह रहे लगभग तिन सो घरों में पानी की सप्लाई पूरी तरह से हुई ठप। घटना के समय बिजली घर में ड्यूटी पे तैनात इलेक्ट्रिशन बबलू पासवान के साथ हेलफर जीतेंद्र निषाद ने बताया कि रविवार की देर रात्रि लगभग 1 बजे 20 से 25 की संख्या में चोरों ने

बिजली घर के चार दिवारी मे सेंधमारी कर सब स्टेशन पर धावा बोल दिया और सर्व प्रथम ड्यूटी पे तैनात हम दो कर्मियों को गाली गलौज व मारपीट करते हुए मोबाइल जप्त कर बंधक बना लिया। जिसके बाद मैन स्विच को काटकर ट्रांसफार्मर से बिजली तेल दो सौ लीटर नीचे जमीन पर गिरा दिया और एक एक कर पार्ट पुर्जे खोलकर ट्रांसफार्मर मे लगे कॉपर लेकर चलते बने। घटना के संबंध में कर्मियों ने सीआईएसएफ के पैट्रोलिंग टीम पर आरोप लगाते हुए कहा कि इसके पूर्व मे भी चोरों द्वारा बिजली घर को निशाना बनाकर लूटपाट किया गया है।

उसके बाद भी सीआईएसएफ की टीम नियमित रूप से पेट्रोलिंग नही करती है। जिसका खामियाजा ड्यूटी पे तैनात कर्मियों को मारपीट व बंधक बनकर चुकाना पड़ता है। इधर घटना के संबंध में दोबारी प्रबंधक ने बताया कि कर्मियों द्वारा चोरी की घटना की जानकारी मिली है जिसका आकलन किया जा रहा है। तत्पश्चात क्षेत्रीय थाना मे लिखित शिकायत दर्ज कराने के साथ साथ सीआईएसएफ के कंट्रोल रूम को भी लिखित शिकायत किया जायेगा।

गिरिडीह में हुए पत्रकार पर हमले के विरोध में धनबाद प्रेस क्लब के सदस्यों ने किया प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): प्रेस क्लब के अध्यक्ष, महासचिव, महाउपाध्यक्ष, सभी पांचों उपाध्यक्ष, सभी पांचों सचिव सभी कार्यकारिणी सदस्यों समेत प्रेस क्लब के पत्रकारों ने सामाजिक तत्वों द्वारा गिरिडीह के पत्रकार अमरनाथ सिन्हा पर हुए हमले पर विरोध जताया।

धनबाद प्रेस क्लब कमेटी ने सोमवार को क्लब के सभी सदस्यों के साथ रणधीर वर्मा चौक पर हाथों में तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया रणधीर वर्मा चौक पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। धरना प्रदर्शन के उपरांत धनबाद प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री को उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौपा।

धनबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव झा ने कहा मुख्यमंत्री शीघ्र पत्रकारों की सुरक्षा के हित में कानून बनाएं आज इस घटना के बाद पत्रकारों की चट्टानी एकजुटता दिखी है। आज धनबाद प्रेस क्लब के सभी सदस्यों समेत जिले के सभी पत्रकारों का असमाजित तत्वों के विरोध में जुटान हुआ अगर भविष्य में पत्रकारों पर हमला होती है विरोध प्रदर्शन तेज होगा।

इस अवसर पर धनबाद प्रेस क्लब के महासचिव अजय प्रसाद ने गिरिडीह में हुए पत्रकार पर हमला का निंदा करते हए कहा कि पत्रकार समाज को आईना दिखाने का काम करती है। पत्रकार पर अगर इस तरह हमला होते रहा तो पत्रकार चुप नहीं बैठेगा पत्रकारों का धारदार कलम चलेगा तो गुंडों और माफिया को झारखंड से भागना पड़ेगा।

महासचिव ने कहा कि झारखंड सरकार जल्द से जल्द पत्रकार सुरक्षा कनून लाए जिस पत्रकार निर्भीक होकर अपना काम कर सके। महासचिव ने कहा कि गिरिडीह के टोल प्लाज पर जिस तरह पत्रकार पर हमला किया गया इससे साफ पता चलता है कि गुंडो को पुलिस का भय नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द पुलिस करर्वाई करें और घटना में संलिप्त बचे हुए गुंडो को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे।

इस दौरान कतरास प्रेस क्लब के अध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने भी अपने सबोधन में कहा कि पत्रकार पर हमला करना सरासर निंदनीय कार्य है। सरकार को पत्रकार सुरक्षा कनून लाकर इस पर जल्द से जल्द लगाम लगाना चहिए।

विरोध प्रदर्शन में प्रेस क्लब अध्यक्ष संजीव झा, महासचिव अजय प्रसाद,उपाध्यक्ष शशि भूषण राय, कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, उपाध्यक्ष प्रतीक पोपट, बलवंत प्रसाद, अमर प्रसाद, शरद पांडे, सुरेंद्र यादव, सचिव मोहन गोप संजय चौरसिया नवीन राय, राम मूर्ति पाठक, चंदन पाल, कार्यकारिणी सदस्यों की प्रसाद विक्की प्रसाद, रौशन सिन्हा, गोपाल प्रसाद, विपिन रजक, कन्हैया पांडे, शंभवी सिंह, शिल्पा सिंह, कतरास प्रेस क्लब के अध्यक्ष इंद्रजीत पासवान समेत प्रेस क्लब के सदस्य शामिल थे।

हर महीने के पहले शुक्रवार को मनाया जाएगा "किशोर स्वास्थ्य दिवस"

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): नगर आयुक्त रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को झारखंड मिनरल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (झमाडा) के कॉन्फ्रेंस हॉल में नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से शहरी समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की प्रगति, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सेवाओं की समीक्षा की गई। किशोर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए "किशोर स्वास्थ्य दिवस" हर महीने के पहले शुक्रवार को आयोजित करने और स्कूलों में आरबीएसके कैंप लगाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में परिवार नियोजन से जुड़े लंबित भुगतानों को शीघ्र निपटाने, बायोमेडिकल रिपोर्ट 10 दिनों के भीतर जमा करने, ओपीडी रिपोर्ट समय पर उपलब्ध न कराने पर दंड लगाने, विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करने, सेवाओं की निगरानी चेकलिस्ट के माध्यम से करने और लंबित दावों की प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोर दिया गया।

नगर आयुक्त ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य धनबाद के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और शहरी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सुनिश्चित करना है।

बैठक में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, आईएमए अध्यक्ष डॉ. बी.एन. गुप्ता, डीआरसीएचओ डॉ. रोहित गौतम, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के एसएमओ डॉ अमित कुमार, यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. ऋतुराज अग्रवाल, एएमसी श्री सनी कुमार, फॉग्सी की अध्यक्ष डॉ. गायत्री सिंह, एमओआईसी झरिया डॉ. मिहिर कुमार, एमओआईसी धनबाद डॉ. अनीता चौधरी, शिक्षा विभाग के एपीओ एस.डी. मिश्रा, सीडीपीओ बाघमारा कृष्णा देवी, सीडीपीओ झरिया अलका रानी के अलावा धनबाद, झरिया और बाघमारा के सभी शहरी चिकित्सा अधिकारी तथा प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि बिनय कुमार यादव, अनित कुमार चौबे, रूपेश कुमार, हरि गोपाल महतो, कुश कुमार और प्रेम कुमार आदि मौजूद थे।

सीएफएम संक्षिप्त

सिमेवा द्वारा बीसीसीएल जोनल कमिटी का चुनाव संपन्न, बुध्दु यादव बने अध्यक्ष

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): कोल माइंस इंजीनियरिंग वर्क्स एसोसिएशन के प्रधान कार्यालय भुली मे सिमेवा द्वारा आयोजित बीसीसीएल जोनल कमिटी का चुनाव एवं सम्मान समारोह में भाग लिए धनबाद के धनबाद सांसद ढुल्लू महतो। संगठन के द्वारा सांसद को फूल माला अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। श्रमिकों की समस्याओं का समाधान हेतु संगठन के साथ बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के साथ वार्ता करा कर कर्मचारियों के समस्याओं के समाधान हेतु सांसद ने आश्वासन दिया। तत्पश्चात संगठन केन्द्रीय महासचिव सुरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बी सी सीएल जोनल कमिटी का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें निम्नलिखित निम्नलिखित पदाधिकारी चुने गए गए- अध्यक्ष बुधु यादव, कार्यकारी अध्यक्ष मोईबुद्दीन आलम, उपाध्यक्ष आर एन लालदेव, रमेशचंद्र महतो, रामबदन राम, असगर अंसारी, दयानंद राम, ताजुद्दीन खान, अमरेश चौधरी, महामंत्री आदित्यनाथ झा, संयुक्त महामंत्री चंदन महतो, मजहर अंसारी, कैलाश सिंह, अबरार अशरफ, फूलचंद यादव, पीके सक्सेना, दुलारचंद यादव, कोषाध्यक्ष भगवान प्रसाद नोनिया, सहायक कोषाध्यक्ष कैलाश सिंह, संगठन सचिव विजय सिंह, सतीश कुमार, मोहम्मद गुलाम अनवर, अनुज कुमार, खगेंद्र रवानी, सकलदेव यादव, आलोक कुमार सिंह, विनय प्रताप सिंह, सुनील कुमार पंडित, हीरालाल महतो, रामलाल भुइया आदि।

मृतक के बड़े पुत्र को बाघमारा विधायक ने नियोजन नियुक्ति पत्र दिया

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): मधुबन थाना क्षेत्र के महेशपुर बस्ती निवासी सह बीसीसीएल कर्मी 52 वर्षीय मनसा बाउरी का देहांत सिजुआ नया मोड़ के समीप कार्य के दौरान सड़क दुर्घटना के उपरांत होगई, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने बीसीसीएल प्रबंधन से नियोजन व मुआवजा संबंधित दूरभाष पर वार्ता के बाद वहां से लाकर मृतक के बड़े पुत्र गोविंद बाउरी को नियोजन नियुक्ति पत्र देकर शोक व्यक्त किया। इस मौके पर गोरचंद बाउरी, डब्लू तिवारी, हरी साव, दिनेश महतो, रबी महतो, शंकर महतो, रबी रजवार, कारु रजवार आदि ने शोक व्यक्त किया।

बुके देकर के डीएसपी को सम्मानित किया

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन के धनबाद जिला प्रतिनिधि मंडल ने नए सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम को बुके देकर सम्मानित किया। सम्मानित करता में वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन के धनबाद जिला अध्यक्ष मो• शमीम शाह, महासचिव मोहम्मद कलाम तथा वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन के धनबाद जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी प्रवीण सिंह और साथ में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार न्याय सुरक्षा परिषद के धनबाद जिला सचिव संजीत सिंह शामिल थे डीएसपी से मुलाकात और बातचीत के क्रम में भ्रष्टाचार पर रोक लगाने हेतु चर्चा हुई तो डीएसपी साहब ने भी आश्वासन देते हुए कहा मैं आप लोगों के साथ हूं जब जहां कहीं भी मेरी जरूरत पड़ेगी मै आप सभी के साथ रहूंगा।

पुराने मामले में पुलिस ने फुलारीटांड़ खटाल के दो युवकों को भेजा जेल

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): महुदा तेलमोच्चो में क्रिकेट खेलने को लेकर हुई मारपीट के मामले में फुलारीटांड़ खटाल के पकड़े गए पांच युवक की पहचान के बाद मधुबन पुलिस ने तीन युवकों को शिकायत नही मिलने के आलोक में छोड़ दिया। जबकि फुलारीटांड़ खटाल के दो युवक मुन्ना यादव व संदीप यादव पुराने मामले के फरार वारंटी होने के कारण उसे जेल भेज दिया।दोनों वारंटी युवक गत वर्ष 11 जून 2023 को फुलारीटांड़ हरिजन टोला मे हिंसक झड़प के मामले में आरोपी था।

राष्ट्रीय चरित्र निर्माण और राष्ट्रवाद मजबूत देश निर्माण के नेपथ्य में राष्ट्रवाद की भूमिका मत्वपूर्ण

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव से प्रस्फुटित होता है। राष्ट्रवाद राष्ट्र की रक्षा, अखंडता एवं सशक्तिकरण के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता है। स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था। जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आई,आई,टी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगे।

वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल है। इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन, विक्रम साराभाई, सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया. भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया है। वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय, संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता है। आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए हैं। यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता, प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों-रात नहीं होता है इसके लिए पीढीयो का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों, कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र बना दिया। इसके विपरीत वर्तमान कक्षाएं प्रेम, अनुशासन, करुणा जैसे पाठ ना सिखा कर ईर्ष्या, कंपटीशन, हिंसा, कटुता जैसे अध्याय सिखा कर राष्ट्र के भविष्य को गर्त में ले जा रही है। देश के अनेक विश्वविद्यालय हड़ताल, हिंसा, जाति भेदभाव, आपत्तिजनक नारों जैसे विसंगतियों का सामना कर रहे हैं। कक्षाओं का नैतिकता, सहिष्णुता, अनुशासन से कटाव केवल भारत में नहीं पूरे विश्व में इसका फैलाव हो चुका है। अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में स्कूलों का कक्षाओं में गोली कांड इसके बड़े विकृत उदाहरण हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने ट्रीस्ट विद डेस्टिनी के भाषण में भूख, भय, बीमारी, अज्ञान से पूर्णता मुक्ति की बात को भारत की नियति या डेस्टिनी कहा है।

वर्तमान में इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए की कक्षाओं को चरित्र निर्माण, अनुशासन, उत्कृष्ट नवाचार, लोकतांत्रिक विचार संरचना का केंद्र बनाकर इसकी शिक्षा दीक्षा दी जानी चाहिए। कक्षाओं से बच्चे आर्थिक रूप से प्रौद्योगिकी स्थापित कर स्वयं अपने पैरों पर खड़े होकर आने वाले वर्षों में कई युवाओं को रोजगार देकर संपूर्ण मानवता, पर्यावरण की रक्षा तथा राष्ट्र के उत्कर्ष को सही दिशा देने का काम करेंगे। जिससे राष्ट्रीय चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रीयता की भावना को एक मजबूत आधार प्राप्त हो सकेगा।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक, लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: विभिन्न शैक्षिक सुधारों और नीतियों के बावजूद, भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली को बहुआयामी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में महत्त्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जो लंबे समय तक चलने वाले शैक्षणिक पथ और सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के बीच की खाई के कारण चुनौतियों का सामना कर रही है। कई सुधारों के बावजूद, इन मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए आमूलचूल परिवर्तन की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता बनी हुई है। इस बदलाव का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की मांगों के अनुरूप कौशल प्रदान करना, जीवन के मील के पत्थर और आधुनिक चुनौतियों के लिए तत्परता बढ़ाना है।

कोठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एकरूपता की नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफ़ारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर ज़ोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को ख़त्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की ज़रूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया।

समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को ख़त्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहु-विषयक सीखने और लचीलेपन पर ज़ोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएँ हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहाँ कई ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढाँचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50% बच्चे ही बुनियादी पाठ पढ़ सकते हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं।

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी-विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में, परीक्षाएँ अनुप्रयोग-आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियाँ: शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजूद, तकनीकी बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिए: डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट की पहुँच और डिवाइस की पहुँच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क सीमित हो जाता है।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता वास्तविक दुनिया के कौशल के साथ संरेखण की मांग करती है। आमूलचूल परिवर्तन छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यावहारिक कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, शिक्षा को वास्तविक दुनिया की मांगों के साथ संरेखित कर सकता है। फ़िनलैंड की शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक कौशल और हाथों से सीखने पर ज़ोर देती है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों की अधिक सहभागिता और रोज़गार क्षमता होती है। आमूलचूल सुधार लचीले शिक्षा मार्ग प्रदान कर सकते हैं, जिससे छात्रों को उनकी रुचियों के आधार पर अलग-अलग सीखने के मार्ग अपनाने की अनुमति मिलती है। जर्मनी की दोहरी शिक्षा प्रणाली व्यावसायिक शिक्षा और अकादमिक शिक्षा के बीच संतुलन प्रदान करती है, जिससे रोज़गार क्षमता में सुधार होता है। अधिक छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण में बदलाव से छात्रों में रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और आलोचनात्मक तर्क को बढ़ावा मिलेगा। इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (IB) कार्यक्रम रचनात्मकता, संस्कृति और संज्ञानात्मक कौशल सहित छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

आमूलचूल परिवर्तन उच्च-दांव वाली परीक्षाओं से दूर जा सकता है और अधिक निरंतर मूल्यांकन विधियों को अपना सकता है, जिससे छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। सिंगापुर ने छात्रों के प्रदर्शन को मापने, तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निरंतर मूल्यांकन रणनीतियों को लागू किया है। आमूलचूल परिवर्तन से पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा को शामिल किया जा सकता है, जिससे पहुँच और सहभागिता बढ़ सकती है। कौशल-आधारित शिक्षा को शामिल करने जैसे पारंपरिक सुधारों से परे अभिनव समाधान। शुरुआती चरण में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल-आधारित शिक्षा शुरू करने से छात्रों को व्यावहारिक क्षमताओं से लैस किया जाएगा, जिससे वे कार्यबल के लिए तैयार होंगे। दक्षिण कोरिया तकनीकी शिक्षा को मिडिल स्कूल से अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है, जिससे एक कुशल कार्यबल तैयार होता है। ऑफ़लाइन और ऑनलाइन सीखने का संयोजन शैक्षिक विभाजन को पाट सकता है, जिससे जुड़ाव और पहुँच बढ़ सकती है।

स्कूलों में मिश्रित शिक्षा दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को आमने-सामने बातचीत से लाभान्वित करते हुए डिजिटल सामग्री तक पहुँचने की अनुमति देती है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग स्कूलों के लिए बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षण और संसाधनों को बढ़ा सकता है, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। ब्रिटिश काउंसिल भारतीय राज्यों के साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार और वैश्विक शिक्षण मानकों को पेश करती है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर शिक्षण परिणाम मिलेंगे। उदाहरण के लिए: जापान ने अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों के कल्याण और प्रदर्शन में सुधार हुआ है। स्थानीयकृत शिक्षा मॉडल: क्षेत्रीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप शिक्षा प्रणालियों को तैयार करने से जुड़ाव और प्रासंगिकता में सुधार होगा।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आमूलचूल सुधारों की आवश्यकता है। फिनलैंड के छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और दक्षिण कोरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए, भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए NEP 2020 के दृष्टिकोण के साथ मिलकर समावेशी और टिकाऊ शैक्षिक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

प्रियंका सौरभ

संविधान में अंतर्निहित आदर्श: समय के साथ परिवर्तन की आवश्यकता

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: भारतीय संविधान ने अपनी 75 वर्षों की यात्रा पूरी कर ली है। जब 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ, तब इसके निर्माताओं ने एक ऐसे राष्ट्र की परिकल्पना की थी जो समानता, स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता और बुनियादी अधिकारों पर आधारित हो। इस विशाल दस्तावेज़ का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा समाज स्थापित करना था जिसमें हर नागरिक को बराबरी का दर्जा मिले, न्याय की गारंटी हो और एकता व भाईचारे का वातावरण बना रहे। संविधान के इन मूल्यों को अमल में लाने के लिए कई प्रयास किए गए, लेकिन यह भी सच है कि इन लक्ष्यों को पूरी तरह से हासिल नहीं किया जा सका। इन अधूरे लक्ष्यों और उनकी समीक्षा के लिए संसद में ईमानदारी से चर्चा होना बेहद ज़रूरी है, लेकिन अफसोस की बात यह है कि यह चर्चा अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर रह जाती है। देश में संविधान पर होने वाली बहसें कई बार केवल राजनीतिक दलों की आपसी नोकझोंक तक सीमित रह जाती हैं। विपक्ष अक्सर यह आरोप लगाता है कि सत्तारूढ़ दल संविधान को बदलने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, तथ्यों की बात करें तो अब तक 126 संवैधानिक संशोधन हुए हैं, जिनमें से 98 संशोधन कांग्रेस शासन के दौरान किए गए। यह इस बात का प्रमाण है कि संविधान में संशोधन करना समय और परिस्थिति की आवश्यकता होती है। यह प्रक्रिया संविधान को "बदलने" के लिए नहीं, बल्कि उसे और अधिक सशक्त और प्रासंगिक बनाने के लिए होती है।

संविधान निर्माताओं ने यह उम्मीद की थी कि समय के साथ देश सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र की ओर बढ़ेगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से राजनीतिक लोकतंत्र के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक न्याय की कल्पना की थी। उनके अनुसार, जब तक समाज में समानता और आर्थिक समरसता नहीं आती, तब तक लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन 75 वर्षों के बाद भी हम इस लक्ष्य को पूरी तरह से हासिल नहीं कर पाए हैं। समानता का अधिकार हमारे संविधान का एक प्रमुख स्तंभ है, लेकिन आज भी समाज में गहरी असमानता मौजूद है। सामाजिक न्याय का मूल्यांकन करने के लिए कोई ठोस राष्ट्रीय तंत्र अब तक नहीं बनाया गया है। संविधान में आरक्षण का प्रावधान केवल 10 वर्षों के लिए किया गया था ताकि समाज के पिछड़े और कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाया जा सके। लेकिन यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यह प्रावधान राजनीतिक एजेंडा क्यों बन गया है? आरक्षण के लाभों का मूल्यांकन और सामाजिक ऑडिट क्यों नहीं हो सका? क्या यह सच में कमजोर वर्गों को लाभ पहुंचा रहा है या यह केवल कुछ गिने-चुने लोगों तक सीमित रह गया है? सामाजिक न्याय की वास्तविकता को समझने और इसका समाधान ढूंढने के लिए संसद में गंभीरता से विचार-विमर्श किया जाना चाहिए।

जातिवाद और सांप्रदायिकता हमारे समाज के लिए आज भी सबसे बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं। संविधान का उद्देश्य एक ऐसे समाज की स्थापना करना था जिसमें जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से परे सभी नागरिक एक समान हों। लेकिन आज की राजनीति जातिवादी और सांप्रदायिक मुद्दों पर केंद्रित होती जा रही है, जो समाज में बंटवारे की भावना को बढ़ावा दे रही है। यह स्थिति संविधान के उद्देश्यों के खिलाफ है और इससे राष्ट्र की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंच रहा है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि उनका कर्तव्य राष्ट्र निर्माण और समाज में समरसता लाना है, न कि विभाजनकारी राजनीति करना। संसद लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंच है, जहां देश के विकास और समाज के उत्थान के लिए नीतियां बनाई जाती हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में संसद में बहस का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का माहौल बनता है, जबकि मुख्य मुद्दे कहीं पीछे छूट जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संविधान जैसे गंभीर विषय पर भी सार्थक चर्चा नहीं हो पाती। संसद को इस बात पर विचार करना चाहिए कि संविधान के अधूरे लक्ष्यों को कैसे पूरा किया जाए और समाज में वास्तविक समानता और न्याय कैसे स्थापित किया जाए।

संविधान का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण और सभी वर्गों के बीच समान अवसर प्रदान करना था। इसके लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर काम करें और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें। जातिगत गणना, सामाजिक पिछड़ेपन का मूल्यांकन और आरक्षण के प्रभाव का आकलन जैसे मुद्दों पर संसद में गंभीरता से विचार होना चाहिए। साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि संविधान के सिद्धांतों के अनुरूप सामाजिक न्याय की अवधारणा को कैसे मजबूत किया जा सकता है। देश की प्रगति के लिए यह ज़रूरी है कि संविधान के उद्देश्यों को ईमानदारी से लागू किया जाए। संसद को विकास के मुद्दों पर केंद्रित रहना चाहिए और उन नीतियों पर चर्चा करनी चाहिए जो समाज में समानता और न्याय को बढ़ावा दें। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि संविधान पर चर्चा किसी एक दल का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का विषय है। इस चर्चा का उद्देश्य केवल समस्याओं को उजागर करना नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाना होना चाहिए।

संविधान में लोकतंत्र, समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय जैसे मूल्यों को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। यह समय की मांग है कि इन मूल्यों को अमल में लाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएं। संसद में संविधान पर होने वाली बहसों को सकारात्मक दिशा में ले जाना होगा ताकि देश के विकास और राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। देश को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए संविधान के लक्ष्यों की समीक्षा करना और उन्हें पूरा करने के लिए नई नीतियों को लागू करना अत्यंत आवश्यक है। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पूरे समाज और सभी राजनीतिक दलों की साझा जिम्मेदारी है। संसद को एक ऐसा मंच बनाना होगा जहां संविधान के सिद्धांतों पर गंभीरता से चर्चा हो और उनके क्रियान्वयन के लिए ठोस निर्णय लिए जाएं।

संविधान पर चर्चा किसी दल विशेष के लिए अवसर नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के हित में एक आवश्यक प्रक्रिया है। इसके माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि संविधान में निहित लक्ष्य केवल कागज़ों तक सीमित न रहकर समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। इसके लिए राजनीतिक दलों को अपने मतभेदों को भुलाकर देश की प्रगति के लिए मिलकर काम करना होगा। यह समय है कि संसद में वास्तविक मुद्दों पर बहस हो, ताकि संविधान के अधूरे लक्ष्यों को पूरा किया जा सके और देश को एक समरस, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील राष्ट्र बनाया जा सके। संविधान हमें एक ऐसा समाज बनाने की प्रेरणा देता है जिसमें हर नागरिक को बराबरी का अवसर मिले और सभी के अधिकार सुरक्षित हों। अगर संसद में संविधान के लक्ष्यों पर ईमानदारी से चर्चा हो, तो यह न केवल राष्ट्र को मजबूत बनाएगा, बल्कि समाज में नई ऊर्जा का संचार भी करेगा। यह समय है कि संविधान के मूल्यों को व्यवहारिक रूप दिया जाए और उन अधूरे सपनों को पूरा किया जाए जिनकी कल्पना संविधान निर्माताओं ने की थी।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (म.प्र.)

गाय का दूध है धरती का अमृत

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: महर्षि चरक के अनमोल वचनों के अनुसार गाय का दूध इस धरती का अमृत है जिससे बनने वाले दही, मक्खन, घी तथा छाछ (मट्ठा) - ये सभी मन, बुद्धि को सात्त्विक बनाकर हमारी विवेक शक्ति, ओज, ऊर्जा, कान्ति की वृद्धि करते है जिसका प्रत्यक्ष भगवान श्रीकृष्ण अवतार के समय प्रत्येक घर गोपालन होता था ओर कृष्ण ने बचपन में गायों को विशेष महत्व दिया जिससे उनका नाम गोपाल भी हुआ। इस समय को छोड़ दिया जाये तो बीते हर युग में भारत के हर घर में गाय का होना ओर गाय का दूध पीना सभी की दिनचर्या का अंग रहा है। इस देश में गाय के दूध की नदिया बहती थी अर्थात हर घर में गाय के दूध का प्रचुर भंडार हुआ करता था जिसे पीकर हमारे पूर्वजों ने इस देश को विश्वगुरुः एवं सोने की चिड़िया कहलाने वाला देश बनाया था लेकिन जब से भैंस का दूध आया तभी से हृदयरोग, वातरोग, शुगर ने यहाँ के लोगों की बुद्धि और पाचनक्रिया का नाश कर देशवासियों को परमुखापेक्षी बना दिया। इसलिये गाय के दूध का कोई विकल्प आज तक नहीं है ओर गाय के दूध की इन्ही विशेषताओं के कारण गाय का दूध अमृत का स्थान पाये हुये है। जिसे यक्ष गीता में उल्लेखित उदाहरण से भी समझा जा सकता है जहां एक समय यक्ष ने युधिष्ठिर से अनेक प्रश्नो के क्रम में एक प्रश्न किया- 'किममृतम्' अमृत क्या है? युधिष्ठिर ने उत्तर दिया 'गवामृतम्' गाय का दुग्ध ही अमृत है, धर्मराज युधिष्ठर का यह कथ्य गाय के दूध को अमृत सिद्ध करता है ओर वेद गाय माता कि स्तुति कर यूं ही हमसे आव्हान नहीं करते कि - माता रुद्राणां दुहिता वसूनां स्वलादित्यानाममुतस्य नाभिः। प्रयोघं चिकितुवे जगाय मा गामनागामदिर्ति वसिष्ठ।। अर्थात - 'गौ रुद्रों की माता, बसुओं की पुत्री, अदिति पुत्रों की बहिन और घृतरूप अमृत का खजाना है; प्रत्येक विचारशील पुरुष को चाहिए कि निरपराध एवं अवध्य गाय का न तो वध करे ओर न ही किसी को करने दे।जिसका पालन मुगल शासक अकबर ने कर मुगल सल्तनत में गायों के कत्लखाने बंद करा कर गोवध पर सजा दे रखी थी जिसे आज हमारी सरकार आंखे बंद कर गाय के कत्लखाने पर रोक लगाने में असफल साबित हुई है किन्तु गाय के दूध का कर्ज चुका नही सकी है।

गाय का दूध अमृत है इसके अनेक प्रसंग है एक अन्य उदाहरण भी मिलता है जब मुगल बादशाह अकबर ने अपने खास नवरत्न बीरबल से पूछा कि बीरबल दूध किसका अच्छा होता है? बीरबल ने बगैर देर लगाये तुरंत जवाब दिया, 'जहाँपनाह! दूध तो भैंस का अच्छा होता है।' इस उत्तर पर अकबर को आश्चर्य हुआ और वे बोले- बीरबल! ये क्या कह रहे हो, रोज तो तुम गाय की तारीफ करते नहीं थकते थे, पर जब आज हमने दरबार में दूध के विषय में पूछा तो तुम भैंस के दूध की तारीफ कर रहे हो? बीरबल ने कहा- जहांपनाह! पर आपने पूछा कि दूध किस जानवर का अच्छा होता है, तो मैंने भैंस का नाम लिया, यदि आपने अमृत पूछा होता तो मैं गोमाता का नाम लेता, गोमाता तो दूध नहीं, अमृत देती हैं। आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रन्थ भावप्रकाश के अनुसार- 'गोदुग्ध रस एवं विपाक में मधुर, शीतल, स्निग्ध, गुरु और वृद्धावस्था के समस्त रोगोंका शामक है।' गायका दूध पौष्टिक तत्त्वों का भण्डार है, इसमें जल 87, वसा 4, प्रोटीन 4, शर्करा 5 तथा अन्य तत्त्व 1 से 2 प्रतिशत तक पाये जाते हैं। गायके दूध में 8 प्रकार के प्रोटीन, 11 प्रकार के विटामिन्स, 12 प्रकार के पिगमेंट्स तथा 3 प्रकार की दुग्ध गैसें पायी जाती हैं। गायके दुधमे कैरोटीन नामक पदार्थ भैंस के दूध से दस गुना अधिक होता है। केवल गाय के दूध में ही विटामिन 'ए' होता है, जो किसी अन्य पशु के दूध में नहीं होता है। भैंस का दूध गरम करने पर उसके सर्वाधिक पोषक तत्त्व मर जाते हैं, जबकि गाय के दूध को गरम करने पर भी पोषक तत्त्व वैसे ही विद्यमान रहते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार माँ के दूध के पश्चात् गाय का दूध ही मानव के लिये सबसे ज्यादा उपयोगी है। गोदुग्ध में विद्यमान सेरिब्रोसाइस मस्तिष्क और स्मरण शक्तिके विकासमें सहायक होता है। स्ट्रानटाइन अणु विकारों का प्रतिरोध होता है और एम०डी०जी०आई० प्रोटीन के कारण रक्त कोशिकाओं में कैंसर प्रवेश नहीं कर सकता तथा गाय के दूध से कोलेस्ट्रॉल नहीं बनता है।

अथर्ववेद के प्रथम काण्ड के 22वें सूक्त में लिखा है कि लाल रंग की गाय के दूध दही, घी, मक्खन आदि से हृदय एवं पाण्डुरोग नष्ट होते हैं वही पर चरक संहिता में गाय के दूध के दस गुणों का वर्णन इस प्रकार किया गया है-स्वादु शीतं मृदु स्निग्धं बहलं श्लक्ष्णपिच्छिलम्। गुरु मन्दं प्रसन्नं च गव्यं दशगुणं पयः॥ (सूत्रस्थान २७। २१८) अर्थात् गायका दूध स्वादिष्ट, शीतल, कोमल, चिकना, गाढ़ा, सौम्य, लसदार, भारी और बाह्य प्रभाव को विलम्ब से ग्रहण करनेवाला तथा मन को प्रसन्न करने वाला होता है। इसी तरह सुश्रुतसंहिता में गाय के दूध के दही को स्निग्ध, विपाक में मधुर, पाचक, बलवर्धक, वातनाशक, शुद्ध एवं रुचिकारक कहा गया है-स्निग्धं विपाके मधुरं दीपनं बलवर्धनम् ।वातापहं पवित्रं च दधि गव्यं रुचिप्रदम् ।। (सु०सं० ४५।६७) गायके पाँच पदार्थों-पंचगव्य (दूध, दही, घृत, मूत्र तथा गोबर) - में अनेक बीमारियों के इलाज के गुण विद्यमान हैं। गाय से प्राप्त पदार्थों से ही पंचगव्य बनता है और पंचामृतमें भी इसका उपयोग होता है। गाय का दूध, दही, घी, मक्खन एवं छाछ (मट्ठा) अमृत का भण्डार है। इसी कारण कृतज्ञता - वश भारतवर्ष में गोमाता की घर-घर पूजा होती है।

गोमाता में ही ऐसी दिव्यता है कि जिसकी रीढ़ की हड्डी में सूर्यकेतु नाड़ी होती है, इसके सिवा दुनिया के किसी भी प्राणी में ऐसा नहीं है। इसी नाड़ी के क्रियाशील होने पर वह पीले रंग का एक पदार्थ छोड़ती है, जिसे स्वर्ण क्षार कहते हैं। इसके कारण देशी गाय का दूध, मक्खन, घी स्वर्ण कान्तियुक्त होता है। इस दूध को पीने से शरीर पूर्ण रूपसे रोगमुक्त हो जाता है। गाय का दूध तो धरती का अमृत है, इसलिये प्रत्येक मनुष्य को कम-से-कम 275 ग्राम दूध प्रतिदिन अवश्य पीना चाहिये। गोदुग्ध में यदि एक चम्मच गाय का घी मिलाकर पियें तो शरीर पुष्ट एवं बलवान् होता है। गायका दूध गर्म करके पीने से कफ का नाश होता है तथा उसी दूध को ठण्डा करके मिश्रीके साथ पीनेसे पित्तविकार का नाश होता है ओर शरीर की जलन शान्त करके अन्न पाचन में सहायक बनता है। गोमाता अत्यन्त सात्त्विक तथा ममतामयी होती हैं, इसीलिये गाय का दूध सात्त्विक होता है। गाय का दूध पतला होने से जल्दी हजम हो जाता है, इससे रस-रक्तादि धातुओं एवं स्मरणशक्ति की वृद्धि होती है। अच्छे विचारों एवं अच्छे कार्यों की ओर बुद्धि की प्रवृत्ति होती है। भोज्य पदार्थ या अन्न की अपेक्षा दूध जल्दी हजम होता है। दूध आप हर 2-2 घंटे बाद 4-6 बार थोड़ा-थोड़ा ले सकते हैं, दूध उतना ही लें जितना हजम हो जाय।

आयुर्वेद के अनुसार गाय के दूध के पथ्य से जिन रोगों में लाभ होता है वे है - जीर्ण ज्वर, अग्निमांद्य, तिल्लीवृद्धि, यकृतरोग, जलोदर, रक्तविकार, गंडमाला, अपस्मार, उन्माद, भ्रम, चक्कर, मूर्छा, उपदंश, विष और उससे उत्पन्न सभी प्रकार के दर्द, लकवा, लूलापन, शिर और नेत्ररोग, मस्तक शूल, मूत्राशय के रोग, पाण्डुरोग पीलिया, रक्तपित्त, प्यास, क्षय, हृदयरोग, छातीका दर्द, विषरोग, दवाओंकी उष्णता, अम्लपित्त, पेट शूल, उल्टियाँ, जुलाब, पेट फूलना, संग्रहणी, दस्त के विकार, मन के विकार आदि अनेक रोग केवल दूध के पथ्य से ठीक हो जाते हैं। गोमाता के दूध के इन्हीं गुणों के कारण ही सऊदी अरब में 7 लाख गायों उच्च तकनीकी से पालन कर फार्म चल रहे है जिसमें अलशफीजी नाम से अर्थात मेहरबान (कृपालु)- गाय के गुणों के हिसाब से रखा गया है। इस फार्ममें 90 हजार गायें हैं, जिनमें 30 हजार भारतीय नस्ल की हैं। इन्हीं भारतीय नस्ल की गायों का दूध रियाद स्थित शाही महल में जाता है। दूसरी नस्ल की गायों का दूध शाही परिवार पसन्द नहीं करता है। यहाँपर कोई गाय कत्ल नहीं की जाती।

हमारे देशकी देशी गायों के रंग के अनुसार दूध के गुण भी बदल जाते हैं, ये कितनी बड़ी विशेषता है। काली गायका दूध वातनाशक होता है तथा लाल रंग की गाय का दूध पित्तनाशक होता है, श्वेत गाय का दूध कफनाशक होता है। दोपहर में पिया जानेवाला गाय का दूध बलवर्धक, कफ-पित्तनाशक होता है तथा रात में पिया जाने वाला दूध दुर्बलता और बुढ़ापा दूर करने वाला होता है। आयुर्वेद के अनुसार सफेद गाय के दूध को यकृत की बीमारी में, बादामी रंगकी गाय के दूध को वातरोगमें, काली गाय के दूधको श्वास तथा फेफड़ों के रोग में अत्यन्त गुणकारी बताया गया है। सुश्रुतसंहिता में गाय के घी के सम्बन्ध में लिखा है कि गाय का घी विपाक में मधुर, शीतवीर्य, वात-पित्त और बिम्ब का नाश करनेवाला, आँखों की ज्योति एवं शरीरकी सामर्थ्य को बढ़ानेवाला है और गुणों में अति श्रेष्ठ है-विपाके मधुरं शीतं वातपित्तविषापहम्। चक्षुष्यमग्रयं बल्यं च गव्ययं सर्पिर्गुणोत्तरम्॥ गोघृत आँखों के लिये विशेष फायदेमन्द होता है। श्यामा गाय के घी से गठिया, कुष्ठरोग, जले-कटे घाव के दाग, नेत्रविकार, जलन, मुँह का फटना आदि पर आश्चर्यजनक लाभ होता है। गायका घी ऐन्टीसेप्टिक होता है। गाय के घी तथा दूध में कैंसरीय तत्त्वों से लड़ने की क्षमता होती है। जो शक्ति गोघृत में मिलती है, वह अण्डे या मांसाहारसे नहीं मिलती है।

वैज्ञानिकोंकी मान्यता है कि 10 ग्राम घी जलाने से 1 टन से अधिक ऑक्सीजन पैदा होती है तथा वायुमण्डल में एटामिक रेडिएशनका प्रभाव कम हो जाता है। इसीलिये देवी-देवताओं की प्रसन्नता के लिये उनकी पूजा में गाय के घी-दूध का ही प्रयोग होता दूध से घी बनता है, उसी तरह जमाये हुए दहीमें चौथाई भाग पानी मिलाकर मथानी से मथकर मक्खन निकालकर मट्ठा (छाछ) बनता है। यह मट्ठा पचनेमें अत्यन्त हलका, मल-मूत्र साफ करनेवाला, पाचक तथा अन्य द्रव्यों को पचाने वाला, अतिसार, संग्रहणी, वायु, पीलिया, पेट शूल, मूत्रकृच्छ्र, हैजा, मूत्राघात, अश्मरी, उदर रोगों में अमृत के समान गुणकारी होता है। यदि आपको वातविकार है तो मट्ठा सेंधा नमक मिलाकर लें, यदि पित्तविकार है तो मट्ठा- शक्कर मिलाकर लें तथा जिनको कफविकार है, वे सोंठ, सेंधा नमक, कालीमिर्च और पीपल मिलाकर लें, यदि आप मूत्रकृच्छ्रकी समस्या से ग्रसित हैं तो आप मट्ठा-गुड़ मिलाकर लें, पाण्डुरोग में चित्रकचूर्ण मिलाकर लें। इस तरहसे गोमाताके दूध, घी, मट्ठा तीनों ही महान् गुणकारी तथा रोगोंका नाश करनेवाले हैं।

गाय के दूध के इसी अमृतमयी गुणों के कारण ही हमारे ऋषि-मुनि, राजा-महाराजा गो माता को अपने पास बड़े आदरपूर्वक रखते थे और उनकी पूजा किया करते थे। राम, कृष्ण, वसिष्ठ, जमदग्नि-जैसे महात्मा गोमाता को प्राणों से बढ़कर रखते थे और उनसे मनोवांछित फल प्राप्त किया करते थे। आज फिरसे यदि हम पुराने गौरवको पाना चाहते हैं तो हमें गोमाताकी शरणमें जाना ही पड़ेगा। यदि ऐसा न करेंगे तो हम अपने खोये हुए गौरव को वापस कभी नहीं पा सकते। आप सभी से आग्रह है की अगर रख सकते हों तो एक गाय जरूर रखें, यदि आप नहीं रख सकते तो गाय का दूध, घी और मट्ठा जरूर अपने भोजन में शामिल करें, यदि ऐसा भी नहीं कर सकते तो आप गायों के प्रति सहानुभूति रखें, उन्हें कोई प्रताड़ित कर रहा हो तो उनकी रक्षा करें। गोपालक भगवान कृष्ण की गौ माता के साथ वाली तस्वीर अपने घर में लगाने में जैसे आप अपने लिए सात्विक वातावरण पसंद करते हो वैसे ही मान सम्मान अपनी गोमाता के प्रति रखे ओर जिस प्रकार आज उनकी दुर्गति हो रही है उसे तत्काल रोककर मानवता का परिचय दे तभी गोमाता का वर्चस्व बना रहेगा, स्मरण रहे गाय होगी तो आप होंगे, बिना गाय आपका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा।

आत्माराम यादव

उपभोक्ताओं को मिले त्वरित न्याय

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस (24 दिसम्बर) पर विशेष

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (नई दिल्ली): देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया।

ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है।

यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं, उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

योगेश कुमार गोयल
(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)
गोपाल नगर, एम.डी. मार्ग, नजफगढ़, नई दिल्ली

पुलिस ने चोरी, लूट-छिनतई मामले का किया उद्भेदन, 5 अपराधी सहित 4 बाइक बरामद

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेशानुसार पुलिस उपाधीक्षक नौशाद आलम ने सोमवार को सरायढेला थाना में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया।

मौके पर पुलिस उपाधीक्षक नौशाद आलम ने मीडिया को बताया कि सरायढेला थाना में दर्ज लूट, चोरी छिनतई के कांडों का उद्वेदन हुआ। गठित टीम के द्वारा छापामारी कर चोरी के तीन दर्ज कांड का उद्वेदन किया गया।

जानकारी के अनुसार न्यू खुशबू अलंकार ज्वेलर्स दुकान से चोरी की गई भारी मात्रा में चांदी के जेवर, प्लाई संसार फर्नीचर दुकान से चोरी की गई। सीसीटीवी कैमरा का डीवीआर एवं हीरापुर निवासी से लूटी गई बुलेट तथा हाउसिंग कॉलोनी निवासी रोशन गुप्ता से लूटी गई लाल रंग की टीवीएस विक्टर मोटरसाइकिल सहित अन्य दो बाइक को बरामद किया गया है। वहीं घटना में प्रयुक्त एक लोहे का मोटा रड भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार शेखर व राजीव पासवान ने पुलिस को बताया कि एक सप्ताह पहले सरायढेला स्थित प्लाई संसार नामक दुकान से एक लाख बीस हजार रुपये चोरी की थी। दुकान का सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर लोहारकुल्ही तालाब के पास फेंक दिया था। पुलिस ने डीवीआर को बरामद कर लिया है।

शेखर ने पुलिस को बताया कि दुकान से चुराये 1.20 लाख रुपया दोनों ने 60-60 हजार रुपये आपस में बांट लिया। राजीव ने उस पैसे से एक पलंग खरीदा तथा 20 हजार रुपये अपने भाई को दिया था। वहीं शेखर ने उस पैसे से एक मोबाइल खरीदा था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

बरामद सामानों में चांदी का लोटा तीन पीस, सिंदूर रखने की किया 03 पीस, कसैली 20 पीस, पायल एक जोड़ी, मछली चार पीस, चम्मच सात पीस, रिंग छह पीस, बाला आठ जोड़ा, गले का चीक दो पीस, पेन एक पीस, कजरौटा तीन पीस, मूर्ति 6, ब्रासलेट तीन, चूड़ी तीन बिछिया आदि बरामद किया गया है।

धरती पर जितने संत, महात्मा, अवतारी शक्तियां आए, सबने गुरु किया

संतों को आदि और अंत दोनों की जानकारी होती है

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (महाराष्ट्र): विश्व विख्यात निजधामवासी बाबा जयगुरुदेव जी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी, वक्त गुरु परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने भंडारा जिले में दिए सतसंग में बताया कि इस धरती पर जितने सन्त, महात्मा, अवतारी शक्तियां आईं, सभी ने विद्या गुरु और आध्यात्मिक गुरु बनाए।

त्रेता युग में, भगवान राम के विद्या गुरु थे ऋषि विश्वामित्र और आध्यात्मिक गुरु थे वशिष्ठ जी।

गुरु कौन होते हैं ?

गुरु एक शक्ति, एक पावर होता है। ये मृत्युलोक है, यहां जो आग जलती है, वो बुझती है, जो जन्मता है वो मरता है। इसके ऊपर कई लोक हैं। उन सभी में सबसे ऊपर का लोक, जिसे सतलोक कहा गया, उसका मालिक ही सबका पिता है। इस दुनिया संसार में, वो अपने नुमाइंदे, भेजता रहता है, जो मानव शरीर में जन्म लेकर हम सभी के बीच में, आते हैं।

साहब सबका बाप है, बेटा काहू का नाय।
बेटा बनकर जो जन्मे, सो तो साहब नाय।।

वो परम पिता परमात्मा, जो उस स्थान से ही अपनी शक्तियों द्वारा इन सभी नीचे के लोकों का संचालन कर रहा है, वो ही सबका मालिक है। उसने ही इन सभी लोकों की उत्पत्ति की। वो इस मृत्युलोक में जन्म नहीं लेता है, न ही यहां आता है। लेकिन समय समय पर अपनी शक्ति द्वारा अपने नुमाइंदे यहां भेजता है। वो यहां आते हैं, मनुष्य को बताते हैं, समझाते हैं, लोगों को रास्ता बताते हैं, दिखाते हैं। रास्ते पर चलाते हैं, और मंजिल तक पहुंचाते भी हैं। उनको सन्त, सतगुरु, स्प्रिचुअल मास्टर, मुर्शीद - ए - कामिल लोगों ने कहा। वे इसी धरती पर मनुष्य शरीर में ही रहते हैं।

किस प्रकार से श्री कृष्ण ने गुरु की शक्ति का सहारा लिया

द्वापर युग में, जब महाभारत हुआ, 18 दिनों में ही 11 अक्षौहिणी सेनाओं का खात्मा करना कोई मामूली बात नहीं थी। 56 करोड़ यदुवंशियों को 1 घंटे में खत्म कराना, ये सभी विद्याएं श्री कृष्ण जी ने अपने विद्या गुरु ऋषि संदीपनी से सीखी थीं। उनके आध्यात्मिक गुरु सुपच थे, जिन्होंने दया की दृष्टि यदि नहीं खिची होती तो इतना बड़ा नरसंहार महाभारत के युद्ध में नहीं हुआ होता। उस समय के सन्त सुपच जी थे। सतपुरुष की शक्ति, वक्त के गुरु में झलकती है। उनकी दया की दृष्टि को थोड़े समय के लिए रोकना, ये कोई मामूली काम नहीं था। ये काम श्री कृष्ण बगैर गुरु की दया के नहीं कर सकते थे।

मानव रूप में ही गुरु अपनी शक्ति का एहसास कराते हैं

जितनी भी अवतारी शक्तियां आईं, सन्त, महात्मा, आए सभी मानव रूप में ही जन्म लिए। सभी ने एक मनुष्य के रूप में ही जीवन बिताया। और जिस काम , उद्देश्य को लेकर, शक्ति देकर उस प्रभु द्वारा भेजा गया था, उसको उन्होंने पूरा किया। उनके द्वारा किए गए, आचरणों, मानव जाति के हित में किए गए कार्यों के कारण ही, उन्हें आज लोग भगवान मानते हैं, पूजते हैं। उन्होंने गुरु द्वारा मिले ज्ञान को आत्मसात कर उसका पालन किया।

लिंडसे क्लब एंड लाइब्रेरी में पौष पार्बन उत्सव का समापन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): लिंडसे क्लब एंड लाइब्रेरी के सौजन्य से हिरापुर में चल रहे पौष पार्बन उत्सव के तीसरे व अन्तिम दिन दर्शको ने जमकर मेला का आनन्द उठाया। हर एक व्यंजन के स्टॉल मे काफी भीड़ देखने को मिला, विशेष रूप से गुजराती स्टॉल स्पाशि वाइट में ढोकला, भेज रोल व दावेली पर लोगो ने अपनी रुचि दिखाई। इसके अलावा लोगो ने पौष हुल्लोर, पीठा घर, खाई खाई, ऐपार बंगला के खाने के स्टॉल मे भी जमकर खाने का लुप्त उठाया। सर्फ साईट के स्टॉल मे दर्शको ने नि:शुल्क आँख कि जांच मे भी अपनी दिलचस्पी दिखाई।

तनिष्क ने अपने स्टॉल से आये हुए दर्शको के लिए काफी आकर्षक ऑफर की घोषणा की। क्लब द्वारा परिचालित सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारो द्वारा जबरदस्त संगीत, नृत्य प्रस्तुत किए। तत्पश्चात कोलकता से आये हुए मशहूर सौपर्ण सरकार के टीम द्वारा बंगला बैन्ड का मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिन्हे सुनकर धनबाद के कोने कोने से आये हुए दर्शक झुम उठे। मेला में अतिथि के रूप में आए निरसा के विधायक अरुप चटर्जी ने मेला प्रांगन में हर स्टाल का निरिक्षण किया व आयोजकों को मेला की सफलता की बधाई दी। क्लब के अध्यक्ष अमलेन्दु सिन्हा ने अपने भाषण में मेला में आये हुए सभी स्टाल के मालिको को, दर्शको को, विशिष्ट अतिथियों को व क्लब के सभी महिला व पुरुष सदस्यो को मेला के सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

नए स्पीड बोर्ड का मैथन डैम में हुआ लॉन्चिंग, विधायक और प्रमुख ने किया उदघाटन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): नए साल 2025 के आगमन को लेकर मैथन डैम स्थित बाबू घाट में नए स्पीड बोट का का उद्घाटन सोमवार की सुबह निरसा विधायक अरूप चटर्जी एवं एग्यारकुंड प्रखंड प्रमुख संगीता महतो द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान बाबू घाट के संचालकों द्वारा विधायक अरुप चटर्जी को गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया, उसके बाद सभी स्पीड वोट में सवार होकर मैथन डैम के हसीन वादियों का लुफ्त उठाया। इस मौके पर विधायक अरुप चटर्जी ने कहा कि बाबू घाट के संचलको द्वारा नववर्ष के अवसर पर नया बोट लाकर लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। इस नई स्पीड बोर्ड के आ जाने से लोगों को वोटिंग करने में काफी आनंद आएगा लोग गोवा और आइलैंड जैसा लुफ्त मैथन डैम में उठा सकेंगे। मौके पर काफी संख्या में पर्यटक एवं अन्य लोग मौजूद थे।

नांदिया गांव में भामाशाहों ने सरकारी विद्यालय के छात्रों को स्वेटर वितरित किये

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (नांदिया): पिण्डवाड़ा ब्लॉक के नांदिया गांव के सरकारी स्कूल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राथमिक परिसर में अध्ययनरत छात्रों को सोमवार 23 दिसम्बर 2024 को स्थानीय गांव के भामाशाहों द्वारा स्वेटर वितरित किये गए।

स्थानीय विद्यालय के शिक्षक गुरुदीन वर्मा के अनुसार स्थानीय गांव के देवेश पटेल, तेजाराम घांची, महेन्द्र घांची और प्रेमराज घांची द्वारा विद्यालय के प्राथमिक परिसर में कक्षा 1 से 5 तक अध्ययनरत 55 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किये गए।

भामाशाहों का विद्यालय के स्टाफ द्वारा माला एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया। भामाशाहों ने भविष्य में भी विद्यालय की विभिन्न कार्यों में सहायता करने की बात कही।

इस अवसर पर विद्यालय के संस्था प्रधान सज्जन सिंह देवड़ा, अध्यापक धनराज लोहार, सांकलाराम देवासी, गुरुदीन वर्मा, नरेन्द्र सिंह देवड़ा आदि उपस्थित रहे।

विद्येश्वरी उड़ान सपनों की का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

*** संस्कार शिक्षा से नहीं, परिवार से मिलते है- डॉ. शंभू पंवार**

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (नई दिल्ली): राजधानी की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था विद्येश्वरी उड़ान सपनों की का प्रथम वार्षिकोत्सव शर्मा न्यू आर्ट्स कॉलेज में बड़े उत्साह पूर्व सम्पन्न हुआ।

वरिष्ठ साहित्यकार आनंद प्रकाश अग्रोही की अध्यक्षता में हुवे इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर अंतरराष्ट्रीय लेखक पत्रकार विचारक एवं धारा गवर्नर डॉ. शंभू पवार एवं विशिष्ट अतिथि शर्मा न्यू आर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य विवेकानंद शर्मा, हंसराज कॉलेज के प्रवक्ता डॉ.सतीश गुप्ता मौजूद रहे। ओर मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. रसिक गुप्ता रहे। आशीर्वचन तरुण कृष्णा शांडिल्य महाराज का रहा। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती को पुष्प अर्पण, दीप प्रज्वलन एवं रजनी बाला जी की सुमुधर सरस्वती वंदना से हुआ।तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। संस्था की उपाध्यक्ष दीप्ति अग्रवाल ने वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया ओर संस्था की गतिविधियों को जानकारी दी।समारोह में संस्थापिका डॉ. सुषमा गर्ग की पुस्तक विद्येश्वरी उड़ान सपनों की अतिथियों ने लोकार्पण किया।

मुख्य अतिथि वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक पत्रकार विचारक डॉ.शंभू पवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि साहित्यकार को समाज का आईना कहा जाता है। एक जागरूक और सच्चे साहित्यकार, लेखक का समाज के प्रति दायित्व होता है कि वो समाज की नब्ज को पहचान कर समाज ओर राष्ट्रहित में साहित्य सृजन करे ओर अपनी रचनाओं के जरिए समाज को दिशा बोध कराए।तभी आपकी लेखनी सार्थक होगी।

डॉ.पंवार ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति और पौराणिक परंपराओं से विमुख होती जा रही है। शिक्षा से संस्कार नहीं आते, बच्चों में संस्कार परिवार से आते हैं। हमारे बच्चों को हमारी संस्कृति से जोड़े। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान सार्थक हो रहा है अब इसके साथ साथ बेटों को भी संस्कारित करे कि वे नारी शक्ति का सम्मान करे।विशिष्ट अतिथि विवेकानंद शर्मा ने कहा कि साहित्यकार की समाज में विशेष भूमिका होती है।वे अपने लेखन से समाज को संस्कारित करने के साथ-साथ समाज को सकारात्मक दिशा देने में भी महती भूमिका निभाते हैं।

इस शुभ अवसर पर आचार्य तरुण कृष्णा शांडिल्य जी के आशीर्वचनों ने समारोह को पावन कर दिया।विशिष्ट अतिथि हंसराज कॉलेज के प्रवक्ता डॉ सतीश गुप्ता ने सुषमा जी की पुस्तक की एक रचना को स्वरबद्ध कर कार्यक्रम की शोभा को चार चाँद लगा दिए। मुख्य वक्ता डॉ रसिक गुप्ता जी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में काव्य पाठ कर सबको आनंदित किया।

समारोह में उपस्थित प्रतिष्ठित साहित्यकार मनोज मिश्र कप्तान, डॉ. अंजू अग्रवाल उत्साही, डॉ बबीता किरण, मधु अरोड़ा, नेहा जैन, मंगल मिश्रा, राकेश गर्ग, गोल्डी गीतकार, सुश्री संतोष सम्प्रीति राजेश शुक्ल, पायल गोयल, श्रीमति मनीषा, श्याम सुंदर, राजेश लखेरिया, दीप्ति अग्रवाल, रजनी बाला, रमाशंकर, हरेंद्र प्रसाद सहित अन्य रचनाकारों का सम्मान किया गया।

पिता हुवे भावुक

समारोह में विचार व्यक्त करते हुवे संस्थापिका डॉ. सुषमा गर्ग ने कहा पिता से मिले संस्कारों और पति अशोक गर्ग एवं पुत्र वधु शालू अंकित गर्ग के सहयोग के फलस्वरूप यह मुकाम हासिल हुआ है। पिता के लिए ऐसा पल आशिम खुशी का होता है। जगदीश मित्तल जी अपनी पुत्री के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हुवे खुशी में भावुक हो उठे। भाई महावीर मित्तल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुवे शुभकामनाएं दी। पति अशोक गर्ग ने हर पल साहित्य के लिए सहयोग का विश्वास दिलाया। इस मौके पर सुषमा गर्ग जी पूरा परिवार उपस्थित रहा। अंत में संस्था के संरक्षक डॉ. शिव कुमार गर्ग ने आभार व्यक्त किया।

भाजपाइयों ने स्वीपिंग मशीन के चालक को गुलाब देकर किया सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): विधायक रागिनी सिंह के निर्देश पर सोमवार को सुबह भाजपा नेताओं ने भगतडीह मोड़ से कतरास मोड़ तक स्वीपिंग मशीन से चल रही सफाई कार्य का निरीक्षण किया। सफाई होता देख भाजपाइयों ने मशीन के चालक को गुलाब का फूल देकर उनका अभिवादन किया।

जिला मंत्री राजकिशोर जेना ने कहा कि विधायक रागिनी सिंह के निर्देश पर सफाई काम देखने के लिए आए हैं। यहां कैसे लोगों को सुविधा मिले इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आम जनता असुविधा दूर करने एवं प्रदूषण से निजात दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदूषण की समस्या सामने ना आए सुविधा ना इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था के लिए विधायक रागिनी सिंह उच्च स्तर पर वार्ता चल रही है। प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी ने कहा कि यहां प्रदूषण की घोर समस्या है। जिससे आम जनता बेहद परेशान है। विधायक रागिनी सिंह इस दिशा में पहल कर रही हैं जल्द ही इस समस्या का समाधान हो जाएगा। बीसीसीएल से पौधारोपण और पौधों की सुरक्षा पर भी वार्ता चल रही है।

इस दौरान जिला मंत्री राज किशोर जेना, प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी, मंडल अध्यक्ष तरुण राय, महामंत्री संतोष रवानी, उपाध्यक्ष रामदेव शर्मा, उपाध्यक्ष रंजीत दास, रूपेश गुप्ता, राहुल गुप्ता, जनता मजदूर संघ के रंजीत सिंह, दिनेश रवानी, उपेंद्र सिंह, सतीश सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष राहुल गुप्ता, पंकज पासवान, आजाद गोप, ज्वाला पासवान, सोनू रजक आदि उपस्थित थे।

अपने आखिरी सांस तक पत्रकारों की आवाज कभी दबने नहीं दूंगा- शील गहलौत

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (सुल्तानपुर): अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन भारत (पंजीकृत) की एक महत्वपूर्ण बैठक सुल्तानपुर जिले के लंभुआ तहसील में आयोजित हुई जिसमें जिले के तमाम पदाधिकारी एवं सदस्यों की मौजूदगी रही। और पुनः जिले की कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। जिसमें संगठन में आस्था रखते हुए तमाम पत्रकारों ने अपवा की सदस्यता ली। वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार रजक को जिलाध्यक्ष, अमरजीत पांडेय उपाध्यक्ष, विमलेश कुमार को महामंत्री, संजय कुमार कसौधन संगठन मंत्री, संतोष कुमार पांडेय कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार राणा आय व्यय निरीक्षक, वरिष्ठ पत्रकार डॉ अशोक कुमार वर्मा सलाहकार, रविन्द्र नाथ दुबे तहसील अध्यक्ष लंभुआ, भास्कर पांडेय तहसील अध्यक्ष जयसिंहपुर मनोनीत किया गया। बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में पहुंचे अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दैनिक सावन साहिल व न्यूज सावन साहिल समाचार पत्र के संपादक शील गहलौत ने दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के बाद बैठक का शुभारंभ किया। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा की अपवा सभी पत्रकारों के मान सम्मान और अधिकार की लड़ाई व्यापक स्तर पर लड़ रहा है। पत्रकार सुरक्षा, पत्रकार बीमा, पत्रकार आयोग, पत्रकार अधिनियम, पत्रकार पेंशन और कवरेज करने गए पत्रकार के आकस्मिक मृत्यु होने पर आर्थिक मदद, दुर्घटना होने की स्थिति में उपचार अनुग्रह राशि प्रदान किए जाने के साथ ही पत्रकार के परिजनों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रदान किए जाने की सरकार से मांग किया जाता रहा है। आगे राष्टीय अध्यक्ष ने कहा कि पत्रकार सदैव अपनी जान जोखिम में डाल करके पीड़ितों की आवाज बनने का काम सदियों से करता आ रहा है। सुबह से निकलने वाला पत्रकार शाम को घर तो किसी तरह पहुंच जाता है पर घर की अन्य जरूरत की भरपाई करने में वह असमर्थ रहता है ऐसी स्थिति में सरकार से मांग करते हुए कहा है कि नियमित पत्रकारों को हर महीने मानदेय की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाय। आगे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अपवा पत्रकारों की आवाज को एक अरसे से बुलंद करता रहा है यह आवाज मेरे आखिरी सांस तक अपनी मांगों को मनवाने तक बुलंद होती रहेगी। पत्रकारों की आवाज बुलंद करते करते आज यह अपवा संगठन हर पत्रकारों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। आज या संगठन उत्तर प्रदेश से लेकर के बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, दिल्ली, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान आदि प्रदेशों तक व्यापक स्तर तक संघर्षरत है। अपवा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वांचल प्रभारी जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि यह संगठन पत्रकारों के लिए वरदान साबित हो रहा है। आने वाले दिनों में या संगठन एक साथ एक आवाज बन कर कर के सरकार को पत्रकारों के हक और अधिकार की जनहित मांगों को मनवाने के लिए बाध्य कर देगा।

आज मध्य रात्रि को होगा प्रभु यीशु का जन्म, विभिन्न चर्च सज धज कर तैयार

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): मंगलवार 24 दिसंबर की आधी रात को चर्च की सभी घंटियां घन-घना उठेगी जो इस बात का संदेश देती है कि बालक यीशु अर्थात जगत के उद्धारकर्ता का जन्म हो चुका है।

संत अंथोनी चर्च को सफेद रंग की पट्टीयों से आकर्षक रूप से सजाया गया है। चर्च में लगी सफेद रंग की पट्टीयां सादगी और खूबसूरती का अनोखा संदेश दे रही है। चर्च के बाहर खुबसूरत रंगीन विद्युत बल्बों से सजाया गया है। रात्रि आयोजित प्रार्थना सभा में बड़े स्क्रीन की व्यवस्था की गई है। चर्च के बाहर भव्य चरनी (बिचाली/पुवाल से निर्मित) बनाया गया है। चरनी में भव्य चमकता तारा, तीन ज्योतिषी हाथों में सोना, लोवान एवं गंधरस लिए हुए, चरवाहे, भेड़- बकरी, माता मरियम तथा पिता जोसेफ आदि रखा गया है। चरनी में 24 दिसंबर की मध्य रात्रि को बालक यीशु की प्रतिमा को स्थापित किया जाएगा और फादर द्वारा आशीषित किया जाएगा तथा लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। जिससे लोग प्रार्थना करेंगे और अपने लिए आने वाले भविष्य के लिए आशीष मांगेंगे। प्रभु यीशु का जन्म एक छोटे से गौशाला में हुआ था उसी को प्रतीक मानते हुए चरनी का निर्माण किया गया है। चरनी के साथ-साथ चर्च की साज-सज्जा जोरो पर है। जिसे चर्च के यूथ आशीष, आलोक, जेनो बारला, बोनी बारला, प्रतीक इंदवार, आलोक लकड़ा, अंकुर कुजूर आलोक किस्कु आदि द्वारा किया जा रहा है। महिला समिति द्वारा आयोजित रात्रि प्रार्थना सभा में गाए जाने वाले मधुर गीतों का अभ्यास किया जा रहा है। महिला समिति के शांति सोय, सरोज पन्ना, राखी सुरिन, अपर्णा लकड़ा, खुशबू सुरिन के नेतृत्व द्वारा किया जा रहा है। सिंथेसाइजर पर रिषु सुरिन, पैड पर हर्षित बोनी बरला, जॉनसन लोहार, गिटार पर जेनो फेलिक्स बरला, डैनी खलखो तथा ढोलक पर अंकुर कुजूर द्वारा मधुर सुरों से सजाएंगे। कार्यक्रम के अंत में क्रिसमस गैदरिंग में आयोजित चरनी बनाओ प्रतियोगिता के विजेताओं को चर्च के फादर द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। विमल खाखा, विक्टर डिक्रूज, मार्टिन कलेपशन, सुधीर बाखला, भाग्य प्रसाद, चेतन किंडो, एंथोनी टुडू द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने का नेतृत्व किया जाएगा। मध्य रात्रि प्रार्थना सभा के पश्चात सामूहिक पारंपरिक नृत्य का भी आयोजन किया गया है।

निःशुल्क हृदय जांच शिविर का अयोजन

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (धनबाद): सोमवार को जगरनाथ गुप्ता इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस, सना हेल्थ पॉइंट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क हृदय जाँच शिविर का अयोजन मदर्स हलीमा पब्लिक स्कूल आज़ाद नगर भूली में किया गया। शिविर में 175 मरीजों की जांच की गई। लगभग 90 प्रतिशत मरीजों का ईसीजी भी किया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ• देव दत्ता कर ने बताया कि हृदय रोग का कारण तनाव और खानपान है। आज कल यूवा भी हृदय रोग का शिकार हो रहे है लोगो को डिप्रेशन (तनाव) से बचने की ज़रुरत है| विशेषज्ञों ने बताया कि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण ये दिक्कत काफी बढ़ गई है खास कर धनबाद जिला में काफी संख्या में हृदय रोग की मरीज़ शिविर में मिले है जिनके पास आयुष्यामान कार्ड है उन्हे निशुल्क इलाज किया जायेगा जगरनाथ गुप्ता इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस, सना हेल्थ पॉइंट संस्था के संयुक्त तत्वावधान के तरफ से कई तरह की सुविधा दी गई है हृदय रोग मरीजों के लिए धनबाद से कोलकोता तक के लिए ट्रेन की सुविधा और स्टेशन से हॉस्पिटल तक के लिए एम्बुलेंस की भी सुविधा दी गई है ताकि सही समय पर इलाज हो सके। डॉ देयदत्त कर, डॉ पंकज मुजम्दार, डॉ मुस्ताक आलम, मो गुलाम, मो• मासूम मो• सादिक अली, मो• अशरफ अंसारी, मो• कमरुद्दीन, मो• सद्दाब अकरम, अकबर अली आदि मौजूद थे।

जरूरतमंदों के बीच 101 कंबल का वितरण

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (निरसा): मारवाड़ी युवा मंच चिरकुंडा शाखा ने मिट्ठू गढ़यान के आवासीय कार्यालय में सोमवार को जरूरतमंदों के बीच 101 कंबल का वितरण किया. समारोह में धानकल बस्ती, सुंदरनगर, दासपाड़ा, फकीर मोहल्ला, नीचे बाजार, हाड़ीपारा आदि जगहों से गरीब लोग पहुंचे थे. कंबल लेकर सभी प्रसन्न थे. मौके पर विपुल शर्मा, प्रणव गढ़यान, पंकज अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, अभिषेक जिंदल, मिट्ठू गढ़यान समेत मंच के अन्य सदस्य मौजूद थे।

कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन 29 दिसंबर को दिल्ली में- विकास

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (मुंबई): अखिल भारतीय काव्य मंच मुंबई साहित्यिक संस्था के सौजन्य से द्वारका, नई दिल्ली में 29 दिसंबर 2024 को एक विराट कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। मीडिया को यह जानकारी संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो अंजनी द्विवेदी अनमोल जी ने दी।

अंजनी द्विवेदी अनमोल ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष दिसंबर महीने के अंत में दिल्ली या एनसीआर में कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है। दिल्ली एवं एनसीआर के सभी प्रतिष्ठित साहित्यकारों के सहयोग से तथा अखिल मंच की पूरी टीम के सहयोग व मार्गदर्शन में वर्ष 2021 से लगातार यह कार्यक्रम एनसीआर दिल्ली में आयोजित किया जा रहा हैं। इस वर्ष भी नई दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम की तैयारी में संस्था के सचिव एवं प्रवक्ता विकास मिश्र सागर जी खूब सहयोग प्रदान कर रहे हैं तथा संस्थापक के दिशा निर्देशन में सतत कार्य कर रहे हैं। दिल्ली तथा एनसीआर क्षेत्र के लगभग 38 से अधिक साहित्यकार, कवि, कवयित्री समाजसेवी व समाज के विविध क्षेत्रों से जुड़े हुए सम्मानित विभूतियाँ इस कार्यक्रम में शामिल हो रही हैं। इस कार्यक्रम में समाजसेवा, साहित्य सेवा, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में विशेष कार्य करने वाली संस्थाओं एवं उनसे जुड़े हुए सम्मानित व्यक्तियों को संस्था द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

आमंत्रित अतिथियों, साहित्यकारों एवं सम्मानमूर्तियों में वरिष्ठ हास्य कवि बाबा कानपुरी, प्रमोद मिश्र निर्मल, डॉ ओंकार त्रिपाठी, डॉ पूजा सिंह गंगानिया, मुकेश पटेल, शिवम झा "कबीर", मो. इसहाक खान, शुभ्रा पालीवाल", अनुराधा पाण्डेय "केसरी", राधा गुप्ता "राधिका, सीमा रंगा इंद्रा, प्रियांशी गुप्ता, पूजा शुक्ला, पूनम माहेश्वरी, नवीन बग्गा, संजीव जैन "नादान", बबिता पाण्डेय, विभा राज "वैभवी", उषा श्रीवास्तव "उषाराज", प्रेरणा सिंह, स्वाति शर्मा, राजेश श्रीवास्तव, दीपा गुप्ता, अमित गुप्ता, हेमंत अग्रवाल, डॉ.दीप्ति दीप, डॉ वर्षा सिंह, पंकज कुमार तिवारी, रजनीश गोयल, उपेंद्र अर्पण, कुमार राघव, नलिनी राज, हिमांशु शुक्ल, विकास मिश्र "सागर", प्रो.अंजनी कुमार "अनमोल", बाल कवि सान्निध्य गुप्ता, डॉ शिखा रानी तथा डॉ पारुल अग्रवाल आदि शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम की पूरी तैयारी की जा चुकी है।

कर्तव्य

भाग-2

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: हम रेल के उदाहरण से भी कर्तव्य को समझ सकते है- रेल रुक रुक कर चलती है वैसे ही हमको सही से जीवन में चलना रुकना रुक कर चलना आदि-आदि चाहिए। रेल मंजिल पाने की दिशा में आगे बढ़ती है वैसे ही हम मंजिल पाने की दिशा में आगे बढ़ते जायें तो हमको निश्चित ही सफलता अवश्य मिलेगी। आंधी पानी धूप या वर्षा आदि में भी रेल चलती रहती है ठीक इसी तरह हम भी जीवन में आंधी पानी धूप या वर्षा आदि में बढ़ते जायें जिससे हम सही से सम्पन्नता के पास पहुँच जायें। रेल लक्ष्य प्राप्ति के लिये सदा आगे बढ़ती जाती है ठीक इसी तरह हम भी जीवन में दृढ़संकल्प जगाकर सदा लक्ष्य प्राप्ति के लिये बढ़ते रहे ।रेल जैसे ऊंच-नीच आदि में भेद नहीं करती है हर किसी भी यात्री को मंजिल तक पहुँचाती है ठीक इसी तरह हम भी जीवन में ऊंच-नीच आदि का भेद नहीं करे सबके प्रति समदृष्टि अपनायें वह अपनी मंजिल को प्राप्त करें। रेल जैसे सबका भार उठाती है ठीक इसी तरह हम भी अपने जीवन में इतना सबल बने की सबका भार उठा सकें। हमको जीवन में सदैव कर्तव्य निभाकर सभी विपदा में संयत रहना है। वह सत्य अहिंसा दया धर्म आदि का मार्ग जीवन में अपना दूसरों के लिए हमको सदैव प्रेरणा स्रोत्र बन सबको मार्ग दिखाना है। सक्रिय गतिशीलता और सकारात्मक चिंतन प्रकृति का सहज व सरल स्वभाव है, हम इसमें आत्मरमण करते हुए शुद्ध भावों से विवेकपूर्वक सभी कियाएँ करें, ये महत्वपूर्ण सन्देश अपनाकर हम सब ये आत्मसात करते हुए अपनी आत्मा को समुज्ज्वल बनाएं। यह हमारे लिए बहुत स्मरणीय चिंतन है। हम सबके लिए यह कल्याणकारी मार्ग है। हम दीर्घकाल तक हमारी आत्मा को ऐसे ही अच्छे पुनीत कार्यों के प्रति कर्तव्यों की निष्ठा से कर्तव्यबोध पाकर सभी को कृतार्थ करने में व सहयोग करने में सफल हो। हमको अपने कर्तव्यों का सही से निर्वाह करके सभी को साथ में लेकर मंजिल तक पहुँच सभी की अच्छी सुनहरी यादों में बस जाना है ।वह अपने कर्तव्य का सही से निर्वाह कर जिज्ञासु बन जन-जन को हर्षित कर हम सबको आनंदित कर अपने जीवन के चरम लक्ष्य को प्राप्त करना है। यही हमारे लिए काम्य है।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

मुझको बहुत पसंद है यह

इस सुबह,
बेखबर फूल जो महक रहा है,
क्योंकि इसको मैंने सींचा है,
अपने प्यार और खूं से,
अपना स्वप्न मानकर,
मुझको बहुत पसंद है यह।

आज इसने रोशन जो किया है,
क्योंकि इसको मैंने जलाया है,
अपनी नेक उम्मीदों और प्रार्थनाओं से,
अपना उज्ज्वल कल मानकर,
मुझको बहुत पसंद है यह।

आज इस दिवस पर दीवार पर,
जो सुंदर तस्वीर लगी है,
क्योंकि इसको मैंने बनाया है,
जीवन की उमंग लेकर,
बहुरंगी अपनी कल्पनाओं से,
अपना प्रतिबिंब समझकर,
मुझको बहुत पसंद है यह।

इस नववर्ष के स्वागत पर,
मुस्कान जो नजर आ रही है,
क्योंकि यही प्रार्थना मैंने की है,
तुम्हारी खुशी और जिंदगी के लिए,
अपनी जिंदगी की खुशी तुम्हें मानकर,
मुझको बहुत पसंद है यह।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

दावेदार

चुनावी टिकट के लिए लड़ाई चल रही थी
कुर्सी ही कुर्सी मस्तिष्क में पल रही थी
एक ने कहा "मैं इतने कांड निपटाया
विपक्ष से कई सांसद जोड़ लाया
मैं ही हूं असली दावेदार भाया!"
दूसरे ने कहा
"अमुक नेता के खिलाफ झूठा प्रचार
किसने करवाया?
और उसे दो टके के भाषणबाज को
गुंडो से किसने पिटवाया?
मुझे कुर्सी देनी होगी"
तीसरे ने अपना पक्ष दिया
"यह सब कुछ भी नहीं
कुल पैंतालीस बलात्कार करवाया हूं
पूरे चुनाव क्षेत्र की जनता को
अपनी दहाड़ों से डराया हूं
चाहे मार कर डरा कर या चुराकर
अपनी मतपेटी भरवाया हूं
मेरी योग्यता पर फिर भी आपको शक है
तो यह मेरा बेड लक है
क्योंकि जो भी ऐसे "पुनीत कृत्य" कर लेता है
वही सही अर्थों में सही नेता है!"
इस थोक कार्यकर्ता को टिकट मिला
कारण यूं कहा गया
"लोकतंत्र की रक्षा करने और परिस्थितियों पर
नियंत्रण रखने में आप सिद्धहस्त हैं
देश की प्रगति और प्रतिष्ठा को लेकर आपके विचार
स्वस्थ हैं।"

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

संविधान (129वां संशोधन) बिल 2024-जेपीसी गठित -वन नेशन वन इलेक्शन बिल एक, चुनौतियां अनेक

एक देश एक चुनाव, देश के लिए गेम चेंजर साबित होगा-विज़न 2047 का मजबूत स्तंभ

लोकसभा व राज्यसभा में सरकार को वन नेशन वन इलेक्शन बिल को पास करने के आंकड़े ना होना सबसे बड़ी चुनौती- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर यह लोकतंत्र की खूबसूरती है कि चुनाव सुधारो संबंधी विधेयक (संविधान संशोधन) बिल को संसद की अनुमति देकर जेपीसी बनाकर पूर्ण रूप में अध्ययन कर, पूरे राजनीतिक दलों, आम जनता, विशेषज्ञों हित धारकों के विचार जेपीसी द्वारा कलमबंद कर पूर्ण रूपेण रिपोर्ट पेश करने की पूरी प्रक्रिया की जाती है। कोई इस कानून पसंद करता है तो कोई विरोध दर्ज करने को भी शामिल किया जाता है, इसका सटीक उदाहरण भारत में 18 दिसंबर 2024 को गठित वन नेशन वन इलेक्शन की जेपीसी जिसमें 31 सदस्य बनाए गए हैं, जिसमें 12 सदस्य उच्च सदन यानें राज्यसभा के भी शामिल है जिसको सांसद ने बहुमत से मंजूरी दी, अब यह जेपीसी अपनी रिपोर्ट संसद में बजट सत्र 2025 के सप्ताह में पेश करेगी। परंतु मेरा मानना है कि इस लोकसभा व राज्यसभा में टू थर्ड मेजोरिटी से इस बिल को पारित करना चुनौती पूर्ण है, क्योंकि इसे पारित टू थर्ड मेजोरिटी से पारित करने से संबंधित आंकड़े एनडीए के पास दोनों सदनों में नहीं है जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। चूँकि एक देश एक चुनाव देश के लिए गेम चेंजर साबित होगा, विजन 2047 का मजबूत स्तंभ बनेगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, लोकसभा व राज्यसभा में वन नेशन वन इलेक्शन बिल को पास करने के आंकड़ों का न होना सबसे बड़ी चुनौती है, बजट सत्र 2025 में कमेटी रिपोर्ट पेश करेगी।

साथियों बात अगर हम संविधान (129वां संशोधन) बिल को संसद में पास कर जेपीसी को प्रेषित करने की करें तो लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले संविधान (129वां संशोधन) बिल 2024 और उससे जुड़े संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) बिल 2024 को लोकसभा के पटल पर पास करवाया गया। बिल को लेकर विपक्ष का कहना था कि ये सरकार का तानाशाही वाला कदम है। देश में एक साथ चुनाव कराए जाने से जुड़े दो विधेयक केंद्र सरकार ने लोकसभा में दिए थे, इस बीच, विपक्ष का तीखी बहस और विरोध देखने को मिला, जिसके बाद सरकार ने इस विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने की सिफारिश की, स्पीकर ने 31 सदस्यों वाली कमेटी गठित कर दी है. पीपी चौधरी चेयरमैन बनाए गए हैं। एक देश-एक चुनाव से संबंधित आठ पेज के इस बिल में जेपीसी को अच्छा खासा होमवर्क करना होगा। संविधान के तीन अनुच्छेदों में परिवर्तन करने और एक नया प्रावधान जोड़ने की पेशकश की गई है। दरअसल, अनुच्छेद 82 में नया प्रावधान जोड़कर राष्ट्रपति द्वारा अपॉइंटेड तारीख पर फैसले की बात कही गई है। बता दें कि अनुच्छेद 82 जनगणना के बाद परिसीमन के बारे में है।

साथियों बात अगर हम वन नेशन वन इलेक्शन बिल की चुनौतियों की करें तो, जहां इस बिल पास कराने के लिए सरकार को 362 वोट चाहिए होंगे, लेकिन यहां एनडीए सांसदों की संख्या 293 है, राज्यसभा में भी नरेंद्र मोदी सरकार को यही चैलेंज मिलने वाला है, जहां एनडीए के पास पर्याप्त संख्याबल नहीं है। वन नेशन वन इलेक्शन बिल को लोकसभा में स्वीकार कर लिया गया है।अब इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया हैजेपीसी की सिफारिशें मिलने के बाद अब नरेंद्र मोदी सरकार की अगली चुनौती इसे संसद से पास कराने की होगी।चूंकि वननेशन वन इलेक्शन से जुड़ा बिल संविधान संशोधन विधेयक है इसलिए लोकसभा और राज्यसभा में इस बिल को पास कराने के लिए विशेष बहमत की आवश्यकता होगी। अनुच्छेद 368 (2) के तहत संविधान संशोधनों के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है. इसका अर्थ है कि प्रत्येक सदन में यानी कि लोकसभा और राज्यसभा में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत द्वारा इस विधेयक को मंजूरी देनी होगी।इस विधेयक को दोनों सदनों के सामने प्रस्तुत किया जाना होगा और दो-तिहाई सदस्यों को मतदान करना होगा ताकि यह पारित हो सके। एक संविधान संशोधन बिल होने के नाते इस बिल को इस संवैधानिक प्रक्रिया को पूरा करना होगा। लोकसभा और राज्यसभा में इस बिल को पास कराना ही सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।दरअसल लोकसभा में एनडीए के पास दो तिहाई बहुमत नहीं है। हां एनडीए के पास सामान्यबहुमत जरूर है, लोकसभा में अगर सभी 543 सांसद इस बिल पर वोटिंग में शामिल होंगे, तो बिल पास कराने के लिए सरकार को 362 वोट चाहिए होंगे, इस वक्त बीजेपी लोकसभा में बीजेपी के 240 सांसद हैं, अगर एनडीए का आंकड़ा देखें तो यहां इनकी सांसदों की संख्या 293 है। इस तरह से लोकसभा में सरकार को 69 सांसदों की कमी पड़ती दिख रही है, इस वक्त बीजेपी सरकार के लिए राहत की बात ये है कि गैर इंडिया ब्लॉक की कुछ पार्टियों ने वन नेशन वन इलेक्शन बिल के लिए समर्थन जताया है, अगर इंडिया ब्लॉक अपने कुनबे को छिटकने से बचाने में सफल रही तो वन नेशन वन इलेक्शन बिल को लोकसभा से पास कराने में सरकार को इस बिल को लेकर काफी चुनौतियां मिलने वाली हैं।राज्यसभा का नंबरगेम वन नेशन वन इलेक्शन बिल को राज्यसभा में पास कराने के लिए 164 वोटों की जरूरत होगी राज्यसभा में इस वक्त 245 में से 112 सीटें एनडीए के साथ है, इसमें 6 मनोनीत सांसद भी शामिल हैं, यानी कि उच्च सदन में भी सरकार के पास बिल को पास कराने के लिए जरूरी संख्याबल नहीं है। राज्यसभा में एनडीए के पास 52 वोटों की कमी पड़ रही है। अगर एनडीए जगनमोहन का साथ लेने में सफल होती है तो इन्हें 11 और और सांसदों का समर्थन हासिल हो जाएगा। लोकसभा में भले ही बीजेडी के एक भी सांसद न हो लेकिन राज्यसभा में पार्टी के 7 सांसद है, अगर बीजेपी, बीजेडी का समर्थन राज्यसभा में हासिल करने में सफल रहती है तो एनडीए को 7 और सांसदों का समर्थन हासिल हो जाएगा, के चंद्रशेखर राव की के भी राज्यसभा में 4 सांसद हैं, इसके अलावा राज्यसभा में बीएसपी के 1 सांसद, एआईएडीएमके के 3 सांसद हैं. इनके अलावा पूर्वोत्तर के कुछ सांसद भी राज्यसभा में हैं जो सरकार के साथ आ सकते हैं।.एआईएडीएमके ने अपना रुख अभी स्पष्ट नहीं किया है.लेकिन बड़ा सवाल ये है कि इस समर्थन के बावजूद एनडीए बहुमत के लिए जरूरी 164 सांसदों के आंकड़े तक नहीं पहुंच पा रही है। लोकसभा - राज्यसभा से पास कराने के बाद इस बिल को देश की आधी से अधिक विधानसभाओं में पास कराना होगा. हालांकि इस मुद्दे पर कानून के जानकारों की राय अलग अलग है, अनुच्छेद 368 (2) के दूसरे प्रावधान के तहत, कुछ संशोधनों को विशेष रूप से राज्यों के कम से कम आधे विधानसभाओं द्वारा अनुमोदित करना होता है, विशेष रूप से उन संशोधनों के लिए जो संघीय संरचना, संसद में राज्यों के प्रतिनिधित्व या सातवीं अनुसूची के प्रावधानों को प्रभावित करते हैं। वन नेशन, वन इलेक्शन बिल का विरोध करने वाली पार्टियों के पास लोकसभा में 205 और राज्यसभा में 85 सीटें हैं, कुल मिलाकर, सरकार को इस बिल को पास कराने के लिए विपक्ष की सहमति हासिल करनी पड़ेगी. हालांकि इस बिल पर विपक्ष के तेवर ऐसे लगते नहीं हैं। 1960 के दशक में, एक साथ चुनाव कराने की कोई पूर्व- नियोजित योजना नहीं थी। 1951 से शुरू होने वाले सभी चुनावों के साथ, यह संयोग से हुआ और राज्यों में भी स्थिरता थी। इसलिए, राज्य विधानसभाएं और लोकसभा, दोनों ही अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करती रहीं।इसके परिणामस्वरूप 1951, 1952, 1957, 1962 और अंततः 1967 में तथाकथित एक साथ चुनाव हुए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस समय हमारे 1960 के दशक में वापस जाने का सवाल नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि राजनीति हमें 1960 के दशक से दूर ले जा रही है।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संविधान (129वां संशोधन) बिल 2024-जेपीसी गठित- वन नेशन वन इलेक्शन बिल एक चुनौतियां अनेक।एक देश एक चुनाव, देश के लिए गेम चेंजर साबित होगा-विज़न 2047 का मजबूत स्तंभ.लोकसभा व राज्यसभा में सरकार को वन नेशन वन इलेक्शन बिल को पास करने के आंकड़े ना होना सबसे बड़ी चुनौती है|

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

हरियाणा के पिछड़े वर्ग का चेहरा कैबिनेट मंत्री 'रणबीर गंगवा'

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: ओबीसी समाज के बड़े लीडर रणबीर गंगवा विशेष रूप से 'प्रजापति समाज' में अच्छी पकड़ रखते हैं। गंगवा पिछड़े समुदायों के लिए आवाज़ उठाने के लिए जाने जाते हैं। 34 साल की राजनीतिक यात्रा में इन्होने कैबिनेट मंत्री के पद तक का सफ़र तय किया है। गंगवा ने राजनीति की शुरुआत अपने गाँव गंगवा से की थी, जहाँ उन्होंने पंच का चुनाव जीता था। कृषि प्रगति और ग्रामीण कल्याण सुधार के साथ इन्होंने अपना सारा ध्यान बरवाला निवासियों के मानकों को ऊपर उठाने पर केंद्रित किया है। इन्होंने ग्रामीण समुदायों के लिए विशेषकर कृषि के विकास में बहुत मदद की है। बरवाला में रणबीर गंगवा के नेतृत्व को कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के प्रति उनके समर्पण से पहचाना जा सकता है। उनके काम ने ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिसमें किसानों को सहायता देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बरवाला में रणबीर गंगवा के नेतृत्व को कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के प्रति उनके समर्पण से देखा जा सकता है। इनके काम ने किसानों के समर्थन पर विशेष ध्यान देने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में काफ़ी सुधार किया है। एक सामाजिक कार्यकर्ता और नेता के रूप में ये समुदाय की मदद करने और बरवाला में जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं। ये अपने क्षेत्र के लोगों की मदद के लिए स्थानीय परियोजनाओं पर काम करते हैं। रणबीर सिंह गंगवा का जन्म 4 मार्च 1964 को हिसार जिले के गंगवा गाँव में हुआ। इनके पिता का नाम राजाराम और माता का नाम केसर देवी है। पत्नी अंगूरी देवी से इनकी शादी बहुत कम उम्र में हो गई थी। इनकी दो बेटे सुरेंद्र गंगवा और संजीव गंगवा हैं। 34 साल की राजनीतिक यात्रा में इन्होने कैबिनेट मंत्री के पद तक का ऐतिहासिक सफ़र तय किया है।

गंगवा ने राजनीति की शुरुआत अपने गाँव गंगवा से की थी, जहाँ उन्होंने पंच का चुनाव जीता था। इन्होंने हिसार जिले की बरवाला विधानसभा क्षेत्र में पहली बार भारतीय जनता पार्टी के 'कमल खिलाने' का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। रणबीर गंगवा ने 1990 में 26 साल की उम्र में अपने गाँव में पंच का चुनाव लड़ा था, जहाँ से उन्होंने राजनीतिक पारी की शुरुआत की। 2024 में बीजेपी ने उन्हें नलवा की बजाय बरवाला विधानसभा से उम्मीदवार बनाया, जहाँ उन्होंने पहली बार पार्टी को जीत दिलाई। इस ऐतिहासिक जीत में उनकी इस यात्रा में कड़ी मेहनत और लगातार संघर्ष का सामना करने की उनकी क्षमता विजय गान करती नज़र आती है। पिछले कुछ वर्षों में, 60 वर्षीय रणबीर गंगवा हरियाणा की सत्तारूढ़ भाजपा में पिछड़े वर्ग का एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे हैं। नायब सिंह सैनी मंत्रिमंडल में इनको सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग और सार्वजनिक निर्माण (भवन और सड़कें) विभाग दिया गया है।

रणबीर गंगवा वर्ष 2000 में लम्बी राजनीति के सफ़र में शामिल हुए जब वह हिसार ज़िला परिषद के लिए चुने गए। 2005 में वे पुनः निर्वाचित हुए और इसके उपाध्यक्ष बने। चार साल बाद पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला ने इनको इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) के टिकट पर नलवा विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा। हालांकि, कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्व मंत्री संपत सिंह चुनाव जीत गए। बाद में, गंगवा 2010 में आईएनएलडी के टिकट पर राज्यसभा के लिए चुने गए। 2014 में, पार्टी ने इनको फिर से नलवा विधानसभा सीट से मैदान में उतारा और इन्होंने संपत सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री चंद्रमोहन को हराया। 2018 में इनेलो के विभाजन के बाद, गंगवा 2019 के चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए। ये नलवा से चुने गए और बाद में विधानसभा में डिप्टी स्पीकर बने। इस बार ये फिर से विधानसभा के लिए चुने गए।

बरवाला निर्वाचन क्षेत्र से राज्य विधायिका के सदस्य रणबीर सिंह गंगवा बरवाला में बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवा को बदलने के लिए समर्पित हैं और अपने नेतृत्व कौशल का उपयोग करके ख़ुद को निर्वाचन क्षेत्र में एक सम्मानित व्यक्ति और ओजस्वी नेता के रूप में स्थापित कर रहे हैं। सार्वजनिक सेवाओं को बढ़ाने तथा किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण की वकालत करने के प्रति इनकी प्रतिबद्धता ने इनको समुदाय से सराहना और समर्थन दिलाया है। बरवाला में रणबीर गंगवा के नेतृत्व को कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के प्रति इनके समर्पण से पहचाना जा सकता है। इनको काम ने ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिसमें किसानों को सहायता देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। रणबीर गंगवा का राजनीतिक जीवन वित्तीय मुद्दों के बारे में पारदर्शिता पर ज़ोर देता है।

इन्होंने 34 साल की राजनीतिक यात्रा में एक साफ-सुथरा रिकॉर्ड बनाए रखा है और उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है। इनकी घोषित संपत्ति और देनदारियाँ राजनीतिक नेतृत्व में इनकी ईमानदारी को दर्शाती हैं। इनकी पारदर्शिता का स्तर मतदाताओं को यह विश्वास दिलाता है कि रणबीर गंगवा अपने वित्तीय लेन-देन का स्पष्ट विवरण देने के लिए समर्पित हैं, जो सार्वजनिक सेवा में एक आवश्यक गुण है। इनकी संपत्ति के प्राथमिक स्रोतों में कृषि भूमि, आवासीय संपत्तियाँ और कुछ व्यक्तिगत होल्डिंग्स शामिल हैं, जिनका इनके चुनावी हलफनामों में खुले तौर पर खुलासा किया गया है। कृषि प्रगति और ग्रामीण कल्याण सुधार के साथ-साथ इन्होंने बरवाला निवासियों के मानकों को ऊपर उठाने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया है।इन्होंने ग्रामीण समुदायों, विशेष रूप से कृषि के विकास में बहुत मदद की है। हम खुले तौर पर ये कह सकते है कि हरियाणा के वर्तमान कैबिनेट मंत्री हरियाणा के पिछड़ा वर्ग ही नहीं सम्पूर्ण हरियाणा के विकास में अपने कुशल नेतृत्व के दम पर नए आयाम स्थापित करेंगे।

प्रियंका सौरभ

अब तो हमें इन कमजोर कड़ियों से पार पाना ही होगा

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: आज के एक खेल समाचार "भारत की कमजोर कड़ी विराट और रोहित" के विषय में यही कहना है कि आज लगभग पूरे साल भर ही भारतीय क्रिकेट टीम के ये दो वरिष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली एवं रोहित शर्मा के खेल में काफ़ी अधिक गिरावट आ गई है कारण आज जब इन दोनों ही खिलाड़ियों को अपने अच्छे खेल से टीम के अन्य खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाना था एवं उन्हें प्रोत्साहित करना था परंतु एक या दो मोंकों के अलावा यह दोनों ही खिलाड़ी अपनी पारीयों अक्सर 15-25-30-40 रन ही बनाकर जल्दी-जल्दी आउट होते रहे हैं एवं कभी केंच आउट तो कभी बोल्ड होकर इन्होंने काफी समय से कोई भी बड़ा स्कोर नही बनाया है तब क्या कहे। फिर इनके इस तरह के खेल के कारण आज पूरी इंडियन टीम के खेल पर भी इसका काफी गलत असर पड़ रहा है। कारण अक्सर जब शुरूआती खिलाड़ी ही जल्दी आउट हो जाते हैं तब आगे आनेवाले खिलाड़ियों पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। कारण हमेशा ही शुरूआत अच्छी होने पर फिर बाद के खिलाड़ियों पर भी दबाव न रह कर शुरुआत से ही अच्छा खेलने का फिर अवसर मिल जाता है एवं उनका खेल भी फिर काफी बड़े स्कोर में तब्दील हो जाता है, मगर देखा यही गया है कि आज चाहे रोहित शर्मा हो या फिर विराट कोहली लगातार कई टेस्ट मैचों में इन दोनों का स्कोर टीम के स्कोर में नहीं के बराबर हि रहा है फिर आज टेस्ट मैचों को तो छोड़िए वनडे मेंचो में भी इन दोनों के बल्ले आज नहीं के बराबर चल रहें हैं, अतः तब ऐसे में फिर हमें तो इन दोनों के बारे में यही कहने में आता है कि "प्लीज रोहत, प्लीज विराट अब आप दोनों अपने अपने बल्लों को अच्छे महूर्त देख कर अब विराम दे ही दीजिए" कारण जब तक आप इस तरह कमजोर कड़ी बनकर खेलते रहेंगे तो अन्य उभरती हुई नई क्रिकेट प्रतिभाओं को टेस्ट मैच एवं वनडे मेचों में खेलने के अवसर नहीं मिल सकेंगे। फिर आज भी आपका काफी नाम है मगर ज्यादा समय तक आप दोनों का इसी तरह से कमजोर कड़ी वाला औसत दर्जे का खेल अगर यूं ही चलता रहेगा तो फिर इससे आपकी प्रतिष्ठा पर भी उसका काफी गलत असर पड़ेगा एवं फिर आप दोनों इसी तरह से लगातार आलोचना के शिकार होते रहेंगे। अतःआज पुनः हम तो यही कहेंगे कि अब बस करो विराट, बस करो रोहित शर्मा।

एम एम राजावत राज
शाजापुर

दुआं व दवा

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: 'दर्द से तड़पती हुई एक बुढ़ी अम्मा सरकारी अस्पताल के एक पलंग पर बिमारी के कारण जोर जोर से चिल्ला रही थी। मेने देखा तो कुछ क्षण के लिए में रुका। वह अपने परिवार वालों को याद कर रहीं थी, अपने बेटे बहू व पोते को बुला रही थी। लेकिन उसके आसपास कोई नहीं था। में बड़े डाक्टर के पास गया, सर नमस्कार अभी में वार्ड के बहार से गुजर रहा था। वहां एक बुढ़ी अम्मा बहुत दुखी वह रो रही है क्या परेशानी हैं? सर उन्हें क्या हुआ है। डाक्टर साहब बोले क्या नाम है आपका, सर मेरा नाम राहुल है। डाक्टर साहब बोले राहुल जी इस अम्मा को किडनी व हार्ट की समस्या है और इनके बच्चे व परिवार वाले इन्हें अस्पताल के बहार छोड़ कर चले गए। इस बुढ़ी अम्मा को दुआं व दवा दोनों की जरूरत है। हम तो अपना फ़र्ज़ निभा कर दवा तो कर रहे हैं। अब दुआं देखो कौन करता है। राहुल एक दवाई की कम्पनी में सेल्समैन था वह आता जाता रहता था। डाक्टर साहब से राहुल बोला में जरूर इस अम्मा के लिए दुआं करुंगा। ईश्वर के आगे इनका नाम लेकर जरूर बोलूंगा। इस बेचारी लाचार बुढ़ी अम्मा को ठीक कर दो भगवान। आप जैसे सज्जन लोगों की दुआं के कारण वह जल्दी अच्छी हो जायें। हम सभी पूरा प्रयास कर रहे हैं। इतना कह कर राहुल वहां से चला गया। अस्पताल के आगे बने मंदिर में उन बुढ़ी मां के नाम लेकर एक दीपक जला कर ईश्वर से विनती कर रहा था वह जल्दी ठीक हो जाये। जब कुछ दिन बाद वह फिर उसी अस्पताल पहुंचा उसने उसी वार्ड में नजर डाली तो देखते हुए उस अम्मा के पास उनके बेटे बहू पोता पोती और परिजन सभी वहा खड़े थे अम्मा हंसते हंसते सभी से बात कर रही थी। वह एकदम स्वस्थ नजर आ रही थी। इसी बीच डाक्टर साहब आयें अरे राहुल केसे हो सर में विजिट पर आया था। सर मेने सोचा बुढ़ी अम्मा को देख लूं, वह कैसी है। यहां देखकर तो ईश्वर के चमत्कार के आगे में नतमस्तक हो गया। मुझे विश्वास हो गया कोई ना कोई शक्ति जरूर है। मेने यह देख लिया दुआं व दवा दोनों में दम है। क्योंकि मरने वाला भी भगवान है और बचाने वाला भी वही है।

हरिहर सिंह चौहान
इन्दौर मध्यप्रदेश

आँखें भर आईं

कोलफील्ड मिरर 24 दिसम्बर 2024: कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। साँझ होते ही जंगल के सभी जानवर अपने-अपने घरों में दुबक जाते थे। ऐसा लगता जैसे कि जंगल भर बदन कँपकँपाती हवा का पहरा हो। छोटे बच्चों को घर से बाहर निकलने की बिल्कुल इजाजत नहीं थी। अगर कोई गलती से बाहर निकल जाता, तो उसे अपने मम्मी-पापा की झिड़कियाँ सुननी पड़ती थी।

एक पेड़ पर बैठे बिट्टू बंदर ने अपनी पत्नी सुम्मी से कहा- 'सबने खाना तो खा लिया न? चलो अब जल्दी सो जाओ। सुबह जल्दी उठना है। सुम्मी, दोनों बच्चों को गर्म कपड़े पहना दो न। रजाई ओढ़कर ही सोना है सबको।'

'हाँ जी। मुझे भी सबका ख्याल है।' सुम्मी मुस्कुराती हुई बोली- 'आप भी अपना ध्यान रखें। ठंड सबके लिए है जी।' सुम्मी की बातें सुन बिट्टू को हँसी आ गयी। सब सो गये।

रात का लगभग बारह बजा था। पेड़ के नीचे किसी के कराहने की आवाज आई। बिट्टू बंदर की नींद खुल गयी। रजाई से सर निकाल कर देखा। नीचे बूढ़ा मनु शेर था। ठंड के मारे वह काँप रहा था। पहले तो बिट्टू घबरा गया। फिर भी वह घर से बाहर निकला। साहस बटोरते हुए पूछा- 'कहो मनु भैया! क्या बात है? यहाँ तुम्हारा कैसे आना हुआ? सब ठीक तो है न?' ठंड के कारण मनु के दाँत किटकिटाने की आवाज आ रही थी। बड़ी मुश्किल से वह बोला-'बिट्टू भाई। मुझे बहुत ठंड लग रही है। कुछ ओढ़ने-बिछाने के लिए है तो दो न।' मनु शेर की हालत देख बिट्टू को दया आ गयी। वह मनु के और पास आया। उसने सर पर मफलर लपेटा था। स्वेटर पहना था। शॉल भी ओढ़ा था। तने के पास आकर बोला- "मनु भैया, तुम चिंता न करो। लो, पहले इसे ओढ़ो।" मनु को शॉल दिया; और ओढ़ने-बिछाने के कपड़े लेने ऊपर चढ़ा। तभी सुम्मी व बच्चे भी जाग गये। पेड़ के नीचे शॉल ओढ़े मनु शेर को देख सुम्मी सब समझ गयी। उसके मना करने के बावजूद बिट्टू ने मनु को कथरी-चादर दिया।

सुबह हुई। जंगल के सभी जानवरों को पता चल गया कि मनु शेर को गर्म कपड़े बिट्टू बंदर ने ही दिये हैं। आठ-दस जानवर एकत्र हुए। मनु शेर भी चुपचाप बैठा था। बिट्टू बंदर के द्वारा मनु शेर को की गयी मदद किसी को अच्छी लगी, तो किसी को बुरी। फिर सबकी भली-बुरी बातें सुन कर बिट्टू बोला- 'देखो मित्रो! मनु शेर रात को मेरे घर के पास आया। ठंड से ठिठुर रहा था। मुझसे उसकी हालत देखी नहीं गयी। उसने मुझसे गर्म कपड़े मांगे। फिर मैंने उसे शॉल,कथरी व रजाई दी। मैं अपने घर के सामने ठंड से काँपते हुए वृद्ध शेर की मदद कैसे नहीं करता। अगर उसे कुछ हो जाता तो मैं स्वयं को कभी माफ नहीं कर पाता।'

कुछ देर तक कोई कुछ नहीं बोला। फिर चुप्पी तोड़ते हुए शिखा हिरणी बोली - 'बिट्टू ने बिल्कुल सही किया है। भले ही मनु शेर ने हम सब के साथ हमेशा गलत किया है; पर है तो वह हम जानवर बिरादरी का। हम जो भी हैं; और जैसे भी हैं, जंगली जानवर हैं। उसकी सहायता हम नहीं करेंगे तो कौन करेगा? कुछ गलत नहीं किया है बिट्टू ने मनु की मदद करके।'

सबकी बातें सुन कर प्रियू नीलगाय सबके सामने आयी। बोली- 'हम सब जंगल को छोड़ कर कहीं जा भी तो नहीं सकते। यहाँ से निकलना खतरा मोल लेना है। अब हमारा जंगल दिनोदिन सिमटता जा रहा है। इसलिए हम सब एक-दूसरे की मदद करके अपने जंगल में ही रहें। अपनी रक्षा स्वयं करें।'

चुपचाप बैठा मनु शेर सबकी बातें सुन रहा था। बिट्टू बंदर को धन्यवाद देते हुए उसकी आँखें भर आईं।

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'